लखनऊ

गुरुवार 12 जून 2025

वर्ष : 10 । अंक: 326

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

ऐसा व्यक्ति जिसने कभी आशा नहीं की, वह कभी निराशा भी नहीं होता है। - विलियम शेक्सपियर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

'परिवार की सहमति से की थी हिंदू महिला से शादी'

सुप्रीम कोर्ट ने 6 महीने से जेल में बंद मुस्लिम युवक को दी जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी। कोर्ट ने हिंदू लड़की से पहचान छिपाकर शादी करने वाले आरोपी मुस्लिम युवक को जमानत दे दी है। इस दौरान कोर्ट ने कई अहम टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि दो लोगों को साथ में रहने पर बस इसलिए नहीं मना किया जा सकता कि क्योंकि वे अलग-अलग धर्मों के हैं।

कोर्ट ने हिंदू महिला से शादी करने के 6 महीने बाद मुस्लिम युवक की बेल को मंजूरी दे दी है। युवक 6 महीने से जेल में बंद था। जस्टिस बी.वी.नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने आरोपी के जरिये दायर अपील पर यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। बता दें कि शख्स ने उत्तराखंड की लड़की से शादी की थी। जिसके बाद फरवरी 2025 में उत्तराखंड हाई कोर्ट ने इस शख्स को जमानत देने से मना कर दिया था। फिर युवक ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

दोनों परिवारों ने शादी के लिए दी थी अनुमति

कोर्ट ने आगे अपना फैसला सुनाते हुए यह भी बताया कि यह शादी दोनों परिवारों की सहमति और मौजूदगी में हुई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत में ये भी बताया कि शादी के अगले ही दिन मुस्लिम युवक) ने एक हलफनामा दायर कर दिया था। इसमें उसने साफ तौर पर स्पष्ट किया था कि उसकी पत्नी अपने धर्म का पालन करने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र होगी और वह उसे मजहब बदलने के लिए भी नहीं बोलेगा ।

मुस्लिम युवक को क्यों किया था गिरफ्तार?

मुस्लिम युवक को उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2018 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों के तहत अपनी धार्मिक पहचान छिपाने और हिंदू महिला से धोखाधड़ी कर शादी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अब मुस्लिम युवक पर की गया एक्शन और पेश की घटना की थ्योरी पर तरह-तरह के सवाल खड़े होने लगे हैं।

कोई रियायत नहीं दी जाएगी', सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की नाबालिग से दुष्कर्म के दोषियों की अपील

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के दोषियों की आजीवन कारावास की सजा को चुनौती देने वाली अपील खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। कोई रियायत नहीं दी जाएगी। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दोषियों संजय पैकरा और पुष्पम यादव की अपील खारिज कर दी। पीठ ने दो दोषियों की अपील खारिज करते हुए कहा कि यह बहुत गंभीर मामला है। आपने वैन चालक के साथ मिलकर एक नाबालिग स्कूली छात्रा का अपहरण किया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

कोरोना वायरस के मरीज 7,000 के पार, पिछले 24 घंटे में 306 नए मरीज मिले

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना वायरस के रोजाना मिलने वाले नए मरीजों की संख्या में भले ही कमी आई है, लेकिन कुल सक्रिय मामलों में बढ़ोतरी जारी है। बुधवार को कोरोना के कुल मामले बढ़कर 7,121 हो गए हैं। हालांकि, पिछले 24 घंट में 306 नए मरीज सामने आए हैं। मंगलवार को 324 और सोमवार को 358 नए मरीज मिले थे।

वहीं, ठीक होने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। 24 घंटे में 929 मरीज ठीक हुए हैं। कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या 74 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 6 मरीजों की मौत हुई है। केरल में 3 मरीजों की जान गई, जिसमें 87 वर्षीय बुजुर्ग महिला, 78 वर्षीय बुजुर्ग पुरुष और 69 वर्षीय बुजुर्ग शामिल हैं। कर्नाटक में 51 वर्षीय महिला और 79 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हुई।

संक्षेप

प्रियंका गांधी को केरल हाई कोर्ट ने तलब किया, वायनाड में चुनावी जीत का मामला

नईदिल्ली। केरल के वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी को केरल हाई कोर्ट ने भाजपा नेता नव्या हरिदास की एक याचिका को लेकर समन किया जारी किया है। याचिका में हरिदास ने नवंबर 2024 में हुए लोकसभा उपचुनाव के नतीजों को चुनौती दी है। उन्होंने गांधी की जीत की अवैध घोषित करने की मांग की है। न्यायमूर्ति के बाबू ने हरिदास की दलीलें सुनने के बाद याचिका स्वीकार कर ली और गांधी को तलब किया है। मामले की सुनवाई अगस्त में होगी। बार एंड बेंच के मुताबिक, हरिदास ने याचिका में आरोप लगाया है कि गांधी ने चुनावी हलफनामे में अधूरी और गलत जानकारियां दी हैं। उनका आरोप है कि गांधी ने अपने पति रॉबर्ट वाड्रा के स्वामित्व वाली कई अचल संपत्तियों के साथ विभिन्न निवेश और चल संपत्तियों का पूरा विवरण नहीं दिया है। साथ ही आरोप है कि गांधी ने मतदाताओं को गुमराह किया है और मतदाताओं पर अनुचित प्रभाव डाला है। लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश के रायबरेली और केरल की वायनाड सीट पर राहुल गांधी ने जीत दर्ज की थी। राहुल ने रायबरेली सीट चुना और वायनाड सीट छोड़ दी। इसके बाद नवंबर 2024 में हुए उपचुनाव में वायनाड से उनकी बहन प्रियंका गांधी ने चुनाव लड़ा। उन्होंने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के सत्यन मोकेरी को 4.10 लाख वोटों के अंतर से हराया। नव्या हरिदास तीसरे स्थान पर रही थीं। प्रियंका ने पहली बार चुनाव लड़ा था।

अमरनाथ यात्रा 2025: भक्तों के लिए जम्मू-कश्मीर की 250 बसें तैनात की जाएगी

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हो रही है। इसलिए जम्मू-कश्मीर के अधिकारी जम्मू से कश्मीर घाटी तक तीर्थयात्रियों को ले जाने के लिए जम्मू-कश्मीर सड़क परिवहन निगम (जेकेआरटीसी) की यात्री बसों का एक बेड़ा तैनात करेंगे। देश के विभिन्न राज्यों से लोग जम्मू के भगवती नगर में यात्री निवास पहुंचते हैं। यहां वे अपना रजिस्ट्रेशन करवाते है। इसके बाद सुरक्षा जांच होती और उन्हें श्रीनगर के बाहरी इलाके पंथाचौक में ट्रांजिट कैंप में ले जाया जाता है। इस ट्रांजिट कैंप से यात्रियों की जांच की जाती है और फिर उन्हें बालटाल और पहलगाम मार्गों से हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा तक पहुंचाया जाता है। जम्मू-कश्मीर सरकार के सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक राकेश कुमार सरंगल ने कहा कि निगम ने 250 बसों का बेड़ा रखा है, लेकिन 'हम यात्रियों की संख्या के आधार पर संख्या कम या ज्यादा कर सकते हैं।' आरटीसी के पास करीब 500 बसों का बेड़ा है जो केंद्र शासित प्रदेश के 20 जिला मार्गों पर चलती हैं। तीन जुलाई से 9 अगस्त तक चलने वाली यात्रा अवधि के दौरान, आरटीसी को अमरनाथ यात्रियों के लिए अपने बेड़े से बसों की संख्या में कटौती करनी पड़ती है। राकेश कुमार ने बताया, 'हमारे पास करीब 500 बसों का बेड़ा है। उनमें से आधी बसों को सार्वजनिक परिवहन के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। यात्रा की शुरुआत से ही बसें सैकड़ों यात्रियों को लेकर भगवती नगर कैंप से श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के माध्यम से सुरक्षा काफिले के बीच श्रीनगर ले जाती है।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, वंचित वर्ग के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति में देरी का लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर दावा किया है कि हाशिए पर पड़े समुदायों के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति में देरी और विफलता की समस्या है। यह पत्र राहुल गांधी के हाल ही में बिहार के एक छात्रावास के दौरे के बाद आया है, जहाँ छात्रों ने अन्य बातों के अलावा मेस सुविधाओं की कथित कमी के बारे में शिकायत की थी।

राहुल गांधी ने 10 जून को लिखे अपने पत्र में कहा कि मैं आपसे दो महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करने का अनुरोध करता हूं, जो 90% वंचित समुदायों के छात्रों के लिए शिक्षा के अवसरों में बाधा डालते हैं। सबसे पहले, दलित, एसटी, ईबीसी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के लिए आवासीय छात्रावासों की स्थिति दयनीय है। बिहार के दरभंगा में अंबेडकर छात्रावास के हाल के दौरे के दौरान छात्रों ने शिकायत की कि एक कमरा है जिसमें 6-7 छात्रों को रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है, शौचालय गंदे हैं, पीने का पानी असुरक्षित है, मेस की सुविधा नहीं है और पुस्तकालयों या इंटरनेट तक पहुंच नहीं है।

कांग्रेस सांसद ने आगे कहा कि दूसरी बात, हाशिए पर पड़े समुदायों के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति में देरी और विफलताएं हैं। उदाहरण के लिए, बिहार में, छात्रवृत्ति पोर्टल तीन साल तक काम नहीं कर रहा था और 2021-22 में किसी भी छात्र को छात्रवृत्ति नहीं मिली। इसके बाद भी, छात्रवृत्ति पाने वाले दलित छात्रों की संख्या लगभग आधी रह गई, जो वित्त वर्ष 23 में 1.36 लाख से घटकर वित्त वर्ष 24 में 0.69 लाख रह गई। छात्रों की शिकायत है कि छात्रवृत्ति की राशि अपमानजनक रूप से कम है। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष ने सुझाव दिया कि सरकार को इन कठिनाइयों को दूर करने के लिए दो कदम उठाने चाहिए।

पत्र में लिखा है, 'मैंने बिहार के उदाहरण दिए हैं, लेकिन ये विफलताएं पूरे देश में फैली हुई हैं। मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि इन विफलताओं को दूर करने के लिए तुरंत दो कदम उठाए जाएं: दलित, एसटी, ईबीसी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के लिए हर छात्रावास का ऑडिट किया जाए ताकि अच्छी बुनियादी संरचना, स्वच्छता, भोजन और शैक्षणिक सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें।

रैली हो या मीटिंग... पीएम मोदी के करीब आने वालों का होगा कोविड टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एक बार फिर कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसी को देखते हुए केंद्र सरकार ने एहतियात के तौर पर कुछ सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। खास तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा और सेहत को ध्यान में रखते हुए अब जो भी व्यक्ति उनसे मिलेगा, उसका RT-PCR टेस्ट करवाना अनिवार्य कर दिया गया है।

अगर प्रधानमंत्री किसी रैली या सार्वजनिक कार्यक्रम में जाते हैं, तो मंच पर उनके साथ जो भी लोग मौजूद होंगे, उन्हें भी पहले अपना कोविड टेस्ट नेगेटिव दिखाना होगा।

प्रधानमंत्री की उम्र को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। क्योंकि वह सीनियर सिटीजन की

कैटेगरी में आते हैं। इस उम्र के लोगों की इम्यूनिटी यानी रोगों से लड़ने की ताकत थोड़ी कम मानी जाती है, इसलिए कोविड का खतरा भी ज्यादा होता है।

कोविड ने देश भर में मचा रखा है कोहराम

देशभर में कोविड के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। जहां एक तरफ कोविड केस बड़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ लोगों के अंदर इसको लेकर काफी डर पनपने लगा है। कोविड केसों की संख्या अब 7,000 से ज्यादा हो चुकी है। सबसे ज़्यादा मामले केरल (2223 केस) से आए हैं। कोविड का सबसे पहला केस केरल से ही सामने आया था। इसके अलावा गुजरात में 1223, दिल्ली में 757, पश्चिम बंगाल में 747, और उत्तर प्रदेश में 229 केस सामने आए हैं।

स्वास्थ्य विभाग को किया अलर्ट

केंद्र सरकार इस पूरे हालात पर नजर बनाए हुए है। देश भर में बढ़ते कोविड केस की वजह से सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को अलर्ट कर दिया गया है। ताकि लोगों को समय पर स्वास्थ्य सुविधा दी जा सके। केंद्र सरकार ने मेडिकल कॉलेज और अन्य सरकारी अस्पतालों को आदेश दिया कि वह अपने यहां बेड की संख्या बढ़ाए और आवश्यक दवाओं की आपूर्ति करे। सरकार ने कहा कि अगर कोविड केस इसी तरह बढ़ते रहे तो आने वाले दिनों में और भी सख्त कदम उठाए जा सकते हैं।

सरकार नहीं चाहती कि कोई लापरवाही हो और साल 2020 की तरह कोरोना पूरे देश में तबाही मचा दे। इसलिए सरकार ने पहले से ही सावधानी बरतना शुरू कर दिया गया है। खासकर उन जगहों पर जहां बड़े नेता या वरिष्ठ नागरिक शामिल होते हैं।

प्रधानमंत्री ऐसे आयोजन करते रहते हैं, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मोदी की मुलाकात पर संजय राउत का तंज

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना सांसद संजय राउत ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया के विभिन्न हिस्सों में भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के बारे में अपनी भूमिका स्पष्ट नहीं की है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ऐसे आयोजन करते रहते हैं। मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने कई प्रमुख साझेदार देशों में भेजे गए सात संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मुलाकात की। बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि देश यह जानना चाहता है कि क्या भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त करने का समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में हुआ था।

संजय राउत ने कहा कि प्रधानमंत्री ऐसे आयोजन करते रहते हैं। प्रधानमंत्री ने अब तक अपनी भूमिका स्पष्ट नहीं की है। देश जानना चाहता है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में हुआ या नहीं। संजय राउत ने पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) मुद्दे पर बोलते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश के 140 करोड़ लोगों ने मन बना लिया था कि अब मोदी पीओके लेंगे और पाकिस्तान को ऐसा तमाचा मारेंगे कि वह वापस भी नहीं आ पाएगा।

राउत ने आगे कहा कि देश के 140 करोड़ लोगों के मन में यह बात थी कि अब मोदी पीओके लेंगे और पाकिस्तान को ऐसा तमाचा मारेंगे कि वह वापस भी नहीं आ पाएगा। पाकिस्तान चार टुकड़ों में बंट जाएगा। हम देख रहे थे कि हम लाहौर जाएंगे, हम कराची जाएंगे, एक (अखंड हिंदुस्तान) अखंड हिंदुस्तान होगा। मोदी जी वीर सावरकर के सपने को साकार करेंगे, जो अब तक नहीं हुआ। विभिन्न दलों के सांसदों, पूर्व सांसदों और प्रतिष्ठित राजनयिकों से युक्त प्रतिनिधिमंडलों ने विभिन्न देशों की अपनी यात्राओं के दौरान आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख और विश्व शांति के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

एनसीपी-एससीपी की सुप्रिया सुले, कांग्रेस पार्टी के शशि थरूर, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और पूर्व राजदूतों जैसे विपक्षी सांसदों सहित सभी दलों के प्रतिनिधिमंडलों के सात समूहों ने विभिन्न विश्व राजधानियों का दौरा करने के अपने राजनयिक प्रयासों को पूरा किया और आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहनशीलता की नीति को बढ़ावा दिया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रतिनिधिमंडल का गठन किया गया था, जो जम्मू और कश्मीर के पहलगाम हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया थी, जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे।

भाजपा गरीब विरोधी पार्टी, आतिशी ने रेखा गुप्ता सरकार पर साधा जोरदार निशाना, बोलीं- झुग्गी वालों की हाय लगेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने बुधवार को कालकाजी इलाके के भूमिहिनी कैंप में किए गए तोड़फोड़ अभियान को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधा। मीडिया से बात करते हुए आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'गरीब विरोधी' पार्टी बताया और आगे सवाल किया कि विध्वंस के लिए अदालत का दरवाजा किसने खटखटाया।

उन्होंने कहा कि यह साफ है कि भाजपा एक 'गरीब विरोधी' पार्टी है। तीन दिन पहले दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा था कि एक भी झुग्गी नहीं गिराई जाएगी। लेकिन आज सुबह 5 बजे से ही बुलडोजर चल रहे हैं और लोगों को जबरन उनके घरों से बाहर निकाला जा रहा है, लाठी-डंडों से पीटा जा रहा है।

आतिशी ने आगे कहा कि रेखा गुप्ता का दावा है कि यह एक अदालती आदेश है - लेकिन अदालत का दरवाजा किसने खटखटाया? यह भाजपा की डीडीए और पार्टी थी जिसने यह आदेश लाया। ये गरीब लोग अदालत गए, लेकिन भाजपा और डीडीए उनके खिलाफ खड़े हो गए, उन्होंने कहा कि वे घर नहीं देंगे, और अदालत से तोड़फोड़ को मंजूरी देने का आग्रह किया। हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद यह तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद अवैध झोपड़ियों को ढहाने के मद्देनजर भूमिहीन कैंप के सभी निवासियों को एक आधिकारिक नोटिस जारी किया था, जिसमें उन्हें अपने परिसर खाली करने का निर्देश दिया गया था।

मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता और कालकाजी से आप विधायक आतिशी ने इलाके में तोड़फोड़ विरोधी प्रदर्शन किया, जिसके बाद उन्हें दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। आतिशी ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा और रेखा गुप्ता को झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग श्राप देंगे। आतिशी ने एक दिन पहले कहा था, 'बीजेपी कल इन झुग्गियों को ध्वस्त करने जा रही है, और मुझे आज जेल भेजा जा रहा है क्योंकि मैं इन झुग्गीवासियों के लिए आवाज़ उठा रही हूँ। 'बीजेपी और रेखा गुप्ता को झुग्गी वालों की हाय लगेगी। ... बीजेपी कभी वापस नहीं आएगी।'

ओसामा ने छुपने के लिए पाकिस्तान ही क्यों चुना? जयशंकर ने आतंक के मुद्दे पर PAK को घेरा, विदेशी मीडिया को भी सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समय यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं से मिलने के लिए ब्रुसेल्स में हैं। इस दौरान उन्होंने एक समाचार वेबसाइट से बातचीत करते हुए पश्चिमी देशों को आईना दिखाया। जयशंकर ने साफ शब्दों में कहा कि पश्चिमी देशों को कश्मीर में आतंकवाद के बाद पाकिस्तान के खिलाफ नई दिल्ली की कार्रवाई को भारत बनाम आतंकवाद के मुद्दे के रूप में देखना चाहिए।

विदेश मंत्री ने कहा कि इस लड़ाई को केवल दो पड़ोसी देशों के बीच सीमा विवाद के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यूरोपीय समाचार वेबसाइट यूरैक्टिव से बात करते हुए विदेश मंत्री ने यूरोप की बदलती भू-राजनीति और भविष्य में बेहतर यूरोपीय संघ-भारत संबंधों की उम्मीदों

पर भी विचार किया।

विदेशी मीडिया को भी सुनाई खरी-खरी

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने साक्षात्कार के दौरान पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की कार्रवाई को दो परमाणु संपन्न पड़ोसियों के बीच प्रतिशोध के रूप में पेश करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की आलोचना की।

उन्होंने एक सवाल के जवाब के जवाब में कहा कि मैं आपको एक बात याद दिलाना चाहता हूं। ओसामा बिन लादेन नाम का एक व्यक्ति था। वह वर्षों तक क्यों पाकिस्तानी शहर में रहा। वह पाकिस्तान के किसी शहर में कैसे खुद को सुरक्षित महसूस करता रहा। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि दुनिया समझे, यह केवल भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। यह आतंकवाद के बारे में है। और यही आतंकवाद अंततः आपको परेशान करेगा।

रूस और यूक्रेन के मुद्दे पर भी रखी अपनी बात

विदेश एस जयशंकर ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को लेकर भी अपनी बात रखी। इस साक्षात्कार के दौरान जब उनसे पूछा गया कि यूक्रेन पर रूस के पूर्ण पैमाने पर आक्रमण के बाद भारत ने यूरोपीय संघ और अन्य पश्चिमी देशों के साथ मिलकर रूस पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया, इसके जवाब में जयशंकर ने कहा कि भारत के रुख को दोहराते हुए कहा कि युद्ध के माध्यम से शांति नहीं आ सकती। विदेश मंत्री ने कहा कि हम नहीं मानते कि मतभेदों को युद्ध के माध्यम से सुलझाया जा सकता है। हम नहीं मानते कि युद्ध के मैदान से कोई समाधान निकलेगा। यह तय करना हमारा काम नहीं है कि वह समाधान क्या होना चाहिए। मेरा कहना यह है कि हम निर्देशात्मक या आलोचनात्मक नहीं हैं, लेकिन हम असंबद्ध भी नहीं हैं।

दोनों देशों के साथ भारत के संबंध मजबूत

वहीं, इस बातचीत के दौरान विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के साथ भारत के संबंध मजबूत हैं। लेकिन उन्होंने याद दिलाया कि जब पाकिस्तान ने स्वतंत्रता के बाद भारत पर आक्रमण किया था, तो पश्चिमी देश इस्लामाबाद के साथ खड़ा था।

दुनियाभर में पाकिस्तान की पोल खोल वापस लौटे सांसदों से पीएम की मुलाकात, लेकिन असदुद्दीन ओवैसी क्यों रहे गैरमौजूद?

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित उच्च स्तरीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी अनुपस्थित रहे। इस बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए थे, जो हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत के वैश्विक आउटरीच के हिस्से के रूप में विदेश में राजनयिक मिशनों से लौटे थे। राजनयिक प्रतिनिधिमंडल में से एक का हिस्सा रहे ओवैसी ने बाद में अपनी अनुपस्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्हें एक करीबी रिश्तेदार और बचपन के दोस्त से जुड़ी चिकित्सा आपात स्थिति के कारण दुबई की एक जरूरी यात्रा करनी पड़ी। उन्होंने अपने प्रतिनिधिमंडल के नेता, भाजपा सांसद बैजयंत पांडा को अपने प्रस्थान से पहले स्थिति के बारे में सूचित किया। ओवैसी की अनुपस्थिति के बावजूद, बैठक में कांग्रेस सांसद शशि थरूर, एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले, डीएमके की कनिमोझी करुणानिधि, भाजपा के रविशंकर प्रसाद और बैजयंत पांडा, जेडी (यू) के संजय कुमार झा और शिवसेना के श्रीकांत शिंदे सहित प्रमुख राजनीतिक हस्तियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। पूर्व केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आज़ाद और सलमान खुर्शीद ने भी प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में आउटरीच प्रयासों में भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद पर भारत के रुख का प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्यों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी।

कटी उंगली, आंख के नीचे निशान...देखते ही बेटे को मां-बाप ने पहचाना, UP से किडनैप बच्चा 10 साल बाद हरियाणा में मिला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

नोएडा। नोएडा पुलिस एक परिवार के लिए फरिश्ता बन गई है। परिवार को पुलिस ने खुशियां दी हैं। नोएडा पुलिस ने एक बेटे को उसके मां-बाप और परिवार से 10 साल बाद मिला दिया है। 10 साल बाद मिले बेटे को मां ने गले से लगा दिया। ये कहानी भले ही फिल्म की कहानी जैसी लग रही हो, लेकन है पूरी हकीकत। आइए जानते हैं इस पूरी कहानी के बारे में।

दसअसल, 10 साल पहले छह नवंबर साल 2015 को एक सात साल का मासूम सेंट्रल नोएडा के फेस-2 के गांव गेझा में अपने दोस्तों के साथ खेल रहा था, लेकिन अचानक वो लापता हो गया। परिवार ने दो दिनों तक उसको बहुत तलाशा। जब वो नहीं मिला तो आठ नंवबर को थाना फेस-2 में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस लापता बच्चे को तलाशने में जुट गई। सालों बीत गए, लेकिन पुलिस को मासूम नहीं मिला।

पुलिस ने साल 2020 में पेश कर दी अंतिम रिपोर्ट

मासूम के मां-बांप ने पहले दो-तीन साल थाने का चक्कर काटा, लेकिन फिर-फिर धीरे-धीरे उनकी भी उमीद टूटती गई। उधर पुलिस भी जब तमाम कोशिशों के बाद मासूम को नहीं तलाश पाई तो साल 2020 में इस मामले में अंतिम रिपोर्ट पेश कर दी। मासूम के माता-पिता घटना के बाद गांव लगे गए थे, लेकिन नियती को कुछ और ही मंजूर था। 10 साल बाद मां-बाप को उनका बेटा वापस मिल गया।

नियती को कुछ और ही मंजूर था

दरअसल, बीती 28 मई को सुरजकुंड फरीदाबाद (हरियाणा) में किडनैपिंग की एक शिकायत दर्ज कराई गई। फिर दो जून को सुरजकुंड पुलिस ने मामले में आरोपी मंगल कुमार को पकड़ा और उसके पास पुलिस को एक बच्चा मिला। इसके बाद पुलिस पूछताछ में मंगल ने चौंकाने वाली बात बताई। उसने बताया कि उसके पास एक बच्चा और है। वो उस बच्चे को नोएडा से लाया था।

बच्चे का नाम बदला था

आरोपी ने बताया कि वो जिस बच्चे को नोएडा से लाया उसका नाम बदल दिया, ताकि उसकी पहचान न हो। अब ये जानकारी फरीदाबाद से थाना फेस-2 पुलिस तक पहुंची, लेकिन बच्चे का नाम बदला था तो उसकी पहचान करना मुश्किल था। तब भी नोएडा पुलिस ने कागज में जानकारी तलाशनी शुरू की। जानकारी नहीं मिली तो बच्चे को थाने बुलाया गया।

पुलिस ने की 6 घंटे मेहनत

पुलिस ने बच्चे को बहलाया-फुसलाया तब उसने अपने नाम बदलने की बात बताई। इसके बाद पुलिस ने 10 साल के क्राइम, याददाश्त और गुमशुदा रजिस्टर के पन्ने पलटने शुरू किए। पुलिस ने छह घंटे मेहनत की। इसके बाद ये पता चला कि कि ये वही बच्चा है, जिसकी गुमशुदगी की शिकायत साल 2015 में दर्ज कराई गई थी। बच्चे को माता-पिता का नाम याद था।

पुलिस ने मां-बाप को बच्चे के मिलने की बात बताई

पुलिस ने एफआईआर खोली तो उसमें जो फोन नंबर था वो बच्चे के पिता के दोस्त का था। पुलिस ने नंबर पर संपर्क किया तो पता चला कि बच्चे के मां-बाप मैनपुरी में रहते हैं। फिर पुलिस ने उनसे नंबर लेकर मां-बाप को उनके बेटे की मिलने की बात बताई। पुलिस के शारीरिक पहचान पूछने पर मां ने बेटे के दाएं हाथ की कटी उंगली बांयी आंख के नीचे निशान होने की बात बताई। निशानों की पुष्टि हो गई।

इसके बाद मां-बाप ने सबसे पहले अपने बड़े बेटे, चाची और जीजा को नोएडा भेजा। उन्होंने थाने में बच्चे को देखते ही पहचान लिया। जल्द ही मैनपुरी में रह रहे माता-पिता भी नोएडा पहुंचे। फिर आया 10 साल की जुदाई के बाद मिलन का पल, जिसने सभी को भावुक कर दिया.

बिजली की अघोषित कटौती व लो बोल्टेज की समस्या को लेकर कांग्रेस का हल्लाबोल

सुलतानपुर। बिजली विभाग की मनमानी के चलते भयंकर गर्मी में जिले व नगरवासियों का जीना मोहाल है। जनता की इस समस्या को लेकर कांग्रेस पार्टी ने सड़क पर उतरकर सरकार व जिला प्रशासन के साथ बिजली विभाग के खिलाफ हल्लाबोला।

जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि बिजली विभाग पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। कहाकि सरकार को जनता की दिक्कतों से कोई जरूरत नहीं है। जिले में बिजली की भारी कटौती की जा रही है। रोस्टर धराशायी हो गया है। भयंकर गर्मी में लोगों का जीना दुश्वार हो गया है। बिजली कटौती से लोग घरों में बिलबिला रहे हैं। शहर अध्यक्ष शकिल अन्सारी ने कहा कि बिजली विभाग पर न तो सरकार का कोई अंकुश है और न ही जिला प्रशासन का।

6 साल की बच्ची से रेप, चिल्लाई तो मुंह में भरे पत्ते...ईंट से किया वार ; जिसे अंकल कहती थी, वही निकला हैवान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के घाटमपुर कस्बे में मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक वीभत्स घटना सामने आई है। जवाहर नगर मोहल्ले में एक मज़ार के पीछे 6 साल की बच्ची के साथ एक युवक ने रेप किया। जब बच्ची ने आरोपी का विरोध किया, तो उसने उसके मुंह में सूखे पत्ते भर दिए और ईंट-पत्थर से उसके सिर पर कई वार किए। आरोपी बच्ची को मरा समझकर वहां से भाग गया।

मौके पर पहुंची पुलिस को मज़ार के पीछे खून दिखा। जानकारी के अनुसार, बच्ची देर शाम घर से लापता हो गई थी। देर रात परिवार वालों को मज़ार के पास लहूलुहान हालत में मिली। यूकेजी की छात्रा 6 वर्षीय बच्ची को परिजन तुरंत घाटमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया।

फिलहाल, परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। परिजनों ने बताया कि उनके घर के सामने रहने वाले एक ट्यूबवेल ऑपरेटर का भतीजा नशे का आदी है और उसी ने इस घटना को अंजाम दिया है। आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें गठित की गई हैं।

डीसीपी साउथ, दीपेंद्र चौधरी ने बताया कि बच्ची के लापता होने के बाद वह गंभीर हालत में मज़ार के पास लहूलुहान मिली। बच्ची फिलहाल अस्पताल में है और उसका मेडिकल कराया जाएगा। इस पूरे मामले की जानकारी मिलने पर कानपुर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार और जॉइंट सीपी आशुतोष कुमार कानपुर के हैलट अस्पताल पहुंचे और परिजन से जानकारी ली।

क्या बोले एसपी?

एसीपी चंद्रकांत यादव ने बताया कि घाटमपुर कस्बे के मुख्य चौराहे से मुगल रोड पर मूसानगर की ओर बढ़ते हुए एक गेस्ट हाउस है, जिसकी बगल वाली गली में सैयद बाबा की मज़ार है। आरोपी युवक बच्ची को इसी गली से मज़ार ले गया और मज़ार के पीछे इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया। बच्ची के पिता पेशे से रिक्शा साइकिल मैकेनिक हैं। पीड़ित बच्ची का एक 8 साल का भाई है। शाम को भाई-बहन घर के बाहर मैदान में खेल रहे थे, तभी आरोपी, जिसे बच्ची अंकल कहती थी, उसे चॉकलेट दिलाने के बहाने मज़ार के पीछे ले गया और इस दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

यूपी से लापता महिला की 400 किलोमीटर दूर मिली अर्धनग्न लाश, मौत रहस्य बनी, पुलिस जांच में जुटी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले से 27 मई को एक महिला लापता हुई थी। उसकी लाश करीब 400 किलोमीटर दूर उत्तराखंड के नैनीताल जिले के भीमताल झील में अर्धनग्न अवस्था में मिली है। यह रहस्यमयी मौत न केवल महिला के परिवार बल्कि जालौन और उत्तराखंड पुलिस के लिए भी पहेली बन गई है। फिलहाल पुलिस इसे सुसाइड, मर्डर और प्रेम-प्रसंग से जोड़कर जांच कर रही है।

मृतक महिला की पहचान 30 वर्षीय पुष्पा देवी के रूप में हुई है। वो डकोर थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। वो 27 मई को अपने पति ऋषि तिवारी के साथ मायके गंगाधाम, जालौन आई थी। पति उसे मायके छोड़कर उसी दिन डकोर लौट गया था। रात में जब उसने पत्नी को फोन किया तो कॉल नहीं लग सका। अगली सुबह यानी 28 मई को ऋषि दोबारा ससुराल आया और सास-ससुर से पुष्पा के बारे में जानकारी ली। सास निर्मला देवी और ससुर रामकुमार गोस्वामी ने बताया कि पुष्पा रात से ही गायब है।

कई दिनों तक परिजनों ने रिश्तेदारी और आसपास के इलाकों में तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद जालौन कोतवाली में पुष्पा की गुमशुदगी दर्ज कराई गई। इस बीच 7 जून को उत्तराखंड के हल्द्वानी थाना क्षेत्र अंतर्गत भीमताल झील के पास एक महिला का अर्धनग्न शव मिलने की सूचना स्थानीय पुलिस को मिली। शव की तस्वीरें आस-पास के जिलों की पुलिस को भेजी गईं। जालौन पुलिस को जब इसकी जानकारी हुई तो पुष्पा के परिजन उत्तराखंड पहुंचे और शव की पहचान पुष्पा देवी के रूप में की।

इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि पुष्पा जालौन से उत्तराखंड कैसे पहुंची। शुरुआती जांच में सामने आया है कि 27 मई की शाम पुष्पा घर से यह कहकर निकली थी कि वह बाजार जा रही है। लेकिन उसके बाद वह लौटकर नहीं आई।

पुलिस को शक है कि पुष्पा का किसी युवक से प्रेम संबंध हो सकता है और वह उसी के साथ गई हो। कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) खंगाली जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि गायब होने से पहले पुष्पा किससे संपर्क में थी, उसने किससे बात की और किन लोकेशनों पर उसका मोबाइल सक्रिय रहा।

मामले की जांच जालौन और उत्तराखंड पुलिस संयुक्त रूप से कर रही है। जालौन पुलिस ने पुष्पा की पृष्ठभूमि, रिश्तों और कॉल रिकॉर्ड से संबंधित तमाम जानकारियां इकट्ठा करनी शुरू कर दी हैं, वहीं नैनीताल पुलिस झील के आसपास के सीसीटीवी फुटेज और घटनास्थल की बारीकी से जांच कर रही है।

पुष्पा की मौत को लेकर अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं, क्या यह एक सोची-समझी हत्या है? क्या पुष्पा को बहला-फुसलाकर उत्तराखंड ले जाया गया? क्या उसने खुद अपनी जान ली या फिर किसी ने उसे झील में धकेला है? पुष्पा दो बच्चों की मां थी, बड़ा बेटा सिद्धार्थ और छोटा बेटा कार्तिक। दोनों अभी नाबालिग हैं। पुष्पा की शादी को 11 साल हो चुके थे और पारिवारिक जीवन सामान्य बताया जा रहा है।

फिलहाल यह मामला रहस्य बना हुआ है, लेकिन पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मौत की गुत्थी सुलझा ली जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और डिजिटल सबूतों के आधार पर पुलिस जल्द किसी नतीजे पर पहुंचेगी।

बाराबंकी में तेज रफ्तार पिकअप ने 3 बच्चियों को रौंदा, एक की मौत, सड़क पर मॉर्निंग वाक कर रही थीं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। हादसे में एक मासूम की मौत हो गई है। मृतक मासूम बच्ची की पहचान पलक (7) के रूप में हुई है। ये दर्दनाक सड़क हादसा बाराबंकी जिले के टिकैतनगर कस्बे में हुआ। टिकैतनगर कस्बे में तीन मासूम बच्चियां सैर पर निकली थीं। तीनों बच्चियां तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आ गईं। हादसे में एक बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य मासूम बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। ये हादसा टिकैतनगर थाने के पास स्थित शहीद भगत सिंह पार्क के पास हुआ है। इस हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बुधवार यानी आज सुबह करीब छह बजे सात वर्षीय पलक अपनी सहेलियों शिवांशी और रानी के साथ टहलने निकली थी। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक पिकअप ने तीनों को कुचल दिया। बताया जा रहा है कि पिकअप में डीजे का सामान लदा हुआ था और वाहन की रफ्तार काफी तेज थी।

हादसे में पलक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शिवांशी और रानी बुरी तरह घायल हो गईं। हादसा थाने से कुछ ही दूरी पर हुआ, इसलिए पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को जीप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने पलक को मृत घोषित कर दिया, वहीं घायल बच्चियों का इलाज जारी है। मासूम पलक की मौत की खबर मिलने पर पूरे कस्बे में शोक की लहर दौड़ गई। अस्पताल पहुंचते ही परिजन बेसुध होकर रोने लगे। परिजनों की हालत बेहद खराब है। बताया जा रहा है कि तीनों बच्चियां सहेलियां थीं और रोज सुबह टहलने जाया करती थीं। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए पिकअप वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस अस्पताल मे तैनात एक डॉक्टर, रहते है नदारद

सुलतानपुर। जिले को हर आफत से महफूज़ रखने की जिनके कंधो पर जिम्मेदारी है, उनकी और उनके परिजनों की सेहत से क्रूर मजाक हो रहा है। जी हां सूत्र बताते है कि पिछले लंबे समय से जनपद में अंगद पांव की तरह जमें डॉ.लालजी की पोस्टिंग पुलिस हास्पिटल में है, लेकिन बमुश्किल कभी-कभार ही साहब बहादुर पुलिस अस्पताल आए होगें। सूत्र बताते है कि पूर्व में लंबे समय तक पुलिस अस्पताल में डां.महेंद्र मौर्य थे, जिन्होंने अपनी जिम्मेदारी को बाखूबी निभाया, पुलिस अस्पताल में रहते हुए डां.महेंद्र मौर्य का स्थानांतरण रायबरेली के मुख्य चिकित्साधिक्षक के पद पर हो गया। उसके बाद मौजूदा मुख्य चिकित्साधिकारी डां.डीके त्रिपाठी ने डां. लालजी को पुलिस लाइन के अस्पताल की जिम्मेदारी सौंपी, बस उसी दिन से पुलिस अस्पताल के दुर्दिन शुरु हुए जो आजतक बरकरार है, पुलिस आवास में रहने वाले पुलिस के परिजनों की सेहत से खिलवाड करने वाले सरकार से लाखों रुपए वेतन के रूप में लेने वाले जिम्मेदारों से उनकी जवाबदेही कौन तय करेगा।

'तेरे बाप को खत्म कर दिया है...' दोस्त बने हत्यारे, सीट बेल्ट से घोंटा गला ; शव को गंग नहर में फेंका

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पैसों के लेन-देन में एक व्यापारी की उसके दोस्तों ने कार की सीट बेल्ट से गला घोटकर पहले हत्या की और फिर उसके शव को गंग नहर में ठिकाने लगा दिया। मृतक व्यापारी के बेटे ने शक होने पर जब आरोपियों से अपने पिता के बारे में जानकारी लेना चाहा तो हत्यारों ने बेखौफ होकर कहा कि हमने तेरे बाप को खत्म कर दिया है। मृतक के बेटे ने पुलिस को मामले की सूचना दी। इसके बाद व्यापारी की हत्या में शामिल दोनों आरोपी दोस्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। साथ ही शव को गंग नहर से बरामद कर लिया है।

दरअसल, नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के भारती कॉलोनी के रहने वाले 55 वर्षीय व्यापारी नवीन मित्तल सोमवार की शाम उधारी के पैसों की वसूली करने के लिए घर से निकले थे। जब वो घर लौटकर वापस नहीं आए तो परिजनों ने व्यापारी की खोजबीन की। पता चला कि वह गांधीनगर स्थित अपने दोस्त नमन जिंदल की दुकान पर उधारी के पैसे मांगने के लिए गए था। वहां नमन का साथी आतिश भी पहले से ही मौजूद था। बताया जा रहा है कि इस दौरान पैसे के लेनदेन को लेकर जब विवाद हुआ तो आरोपी नमन जिंदल और उसके दोस्त आतिश ने व्यापारी नवीन मित्तल की कार की सीट बेल्ट से गला घोटकर हत्या कर दी। इसके बाद दोनों हत्यारों ने कार से शव को भोपा गंग नहर में ले जाकर ठिकाने लगा दिया।

मृतक व्यापारी नवीन मित्तल देर रात तक घर नहीं लौटे। चिंता में बेटे अभिषेक ने व्यापारी के मोबाइल की लोकेशन चेक की तो पता चला कि व्यापारी गांधीनगर स्थित किरयाना व्यापारी नमन जिंदल की दुकान पर गांधीनगर गए थे। इसके बाद परिजनों ने जब नवीन जिंदल की दुकान पर पहुंचकर व्यापारी के बारे में जानकारी लेना चाहा। आरोपी नमन और उसके दोस्त आतिश ने व्यापारी के पुत्र से कहा कि हमने तेरे बाप को खत्म कर दिया है।

पिता के दोस्तों से ये बात सुनकर बेटे के होश फाखता हो गए। उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने लिखित शिकायत पर आरोपी नमन जिंदल और आतिश को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर मृतक व्यापारी के शव को भोपा गंग नहर से बरामद कर लिया है।

सीओ मंडी रूपाली राव ने बताया कि आज थाना नई मंडी में एक व्यक्ति नवीन मित्तल के संबंध में एक अपहरण की तहरीर प्राप्त हुई। नवीन मित्तल के परिजनों द्वारा सूचित किया गया कि कल नवीन मित्तल अपने दो परिचित नमन और आतिश से मिलने के लिए घर से निकले थे। नवीन मित्तल पर नमन के कुछ पैसे उधार थे। इसी संबंध में वह दोनों लोगों से मिलने के लिए निकले थे। लेकिन वह रात भर वापस नहीं आए। जब उनके परिजनों द्वारा बहुत ढूंढा गया और ट्रेस किया गया तो भी वह नहीं मिले।

आईएमए ने 50 टीबी के मरीजों को लिया गोद

सुलतानपुर। आईएमए द्वारा 50 क्षय रोगियों को गोद लेकर सीएमओ सभागार में पोषण पोटली वितरित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डा० भरतभूषण मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताया गया कि टीबी के मरीजों को टीबी की दवा के साथ साथ पोषण की भी आवश्यकता होती है। आईएमए द्वारा मरीजों को जो पोषण पोटली दी जा रही है यह इनके लिए बहुत ही मदगार साबित होगी, यही मरीज भविष्य में हमारे टीबी चैंपियन बनेगें, और इन्ही टीबी के मरीज को दूसरे नए टीबी मरीजों के लिए मददगार साबित होंगे। कार्यक्रम मे आईएमए के अध्यक्ष डा. ए के सिंह द्वारा बतया गया कि आज जनपद स्तर टीबी रोगियों को गोद लेकर शुरुआत किया जा रहा है जनपद के ब्लॉक स्तर तक के रोगियों को आइएमए गोद लेकर सुल्तानपुर को टीबी मुक्त बनाने अपना पूरा सहयोग करेगा। सचिव डा० अंकुर सेठ, डा० जे पी सिंह, डा० कपूर, कार्यक्रम का संचालन टीबी क्लिनिक के सुरेश कुमार द्वारा किया गया।

यूपी में भी इंदौर जैसा मर्डर : ट्रेन में मुलाकात और अफेयर... डेढ़ साल के इश्क ने कराया 18 साल के रिश्ते का कत्ल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सिद्धार्थनगर। लोग कहते हैं कि प्यार की उम्र नहीं होती, लेकिन वर्तमान का प्यार लोगों के रिश्तों को तार-तार कर रहा है। इसमें शादीशुदा महिलाएं पति की जान ले रही हैं। दो माह में मुस्कान और सोनम ने शादी के बाद प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करवा दी। उधर, सिद्धार्थनगर जिले के ढेबरूआ थाना इलाके की एक महिला ने शादी के लगभग 18 वर्ष बाद प्रेमी की चाह में उससे मिलकर पति की हत्या करवा दी। वहीं पति कन्नन भी 18 वर्ष पहले दिल्ली से संगीता को प्रेम विवाह करके ही गांव लाया था, जिससे जिले में दोनों घटनाओं को जोड़कर चर्चाएं हो रही हैं। ढेबरूआ थाना इलाके के रेकहटा ग्राम पंचायत के नजरगढ़वा के कन्नन से 18 वर्ष पहले संगीता की शादी हुई थी। शादी के बाद कन्नन और संगीता का 12 वर्ष का एक बेटा भी है। इस दौरान संगीता बलरामपुर निवासी अनिल शुक्ला उर्फ विवेक निवासी लक्षणपुर धर्मपुर थाना ललिया से प्रेम भी करती रही।

डेढ़ से चल रहे प्रेम में दोनों ने एक दूसरे का होने के लिए कन्नन की हत्या की साजिश रची। इसके बाद महिला ने प्रेमी के साथ नशीली पदार्थ खिलाकर पति को राप्ती नदी में फेंक दिया। लोगों की निगाह से बचने के लिए संगीता ने दो जून को ढेबरूआ थाने में कन्नन की गुमशुदगी की तहरीर दर्ज कराई।

कन्नन का कंकाल बरामद

तहरीर पर पुलिस जांच में जुट गई। काफी दिनों तक पता न चलने पर पुलिस ने संगीता से पूछताछ की। उसने नदी में फेंके जाने की बात कही। मौके पर पहुंची बलरामपुर पुलिस टीम ने कन्नन को कंकाल के रूप में बरामद किया। ग्राम प्रधान पति राम सूरत यादव ने बताया कि कन्नन लगभग 18 वर्ष पहले दिल्ली से संगीता को प्रेम विवाह करके लाया था। उसके बाद से ही कन्नन गांव में रहकर मछली पकड़ने का काम करता था। कन्नन और संगीता का एक लड़का भी है। जो अभी पढ़ाई करता है। कन्नन दो भाई और एक बहन में सबसे बड़ा था। वह गांव में रहता था। जबकि उसका दूसरा भाई बंटवारा होने के बाद गांव के बाहर घर बनवाकर परिवार के साथ रहता है। ग्रामीणों के अनुसार, वह दो फरवरी को प्राइवेट वाहन से घर से निकले थे।

ट्रेन में हुई थी मुलाकात, बढ़ गईं नजदीकियां

ग्रामीणों के अनुसार, लगभग डेढ़ से दो वर्ष पहले ट्रेन से आते वक्त आरोपी प्रेमी अनिल शुक्ला उर्फ विवेक से संगीता से मुलाकात हुई थी। उसके बाद से ही दोनों में नजदीकियां बढ़ती गई, संगीता कई बार अपने प्रेमी से मिलने के लिए तुलसीपुर जाती थी, इस बार वह कन्नन को हत्या के प्लान के साथ लेकर गई थी। ग्रामीणों के अनुसार, कन्नन बहुत ही सीधा था। इसका फायदा उठाकर संगीता और उसके प्रेमी ने उसे मौत की घाट उतार दिया।

प्रेमी के साथ मिलकर की पति aलाश

सिद्धार्थनगर के ढेबरुआ थाना इलाके की एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पुलिस की जांच में पता चला है कि महिला पति को बलरामपुर ले गई और वहां नशीला पदार्थ खिलाकर प्रेमी की मदद से उसे पुल से राप्ती नदी में फेंक दिया था। महिला की निशानदेही पर मंगलवार को पुलिस ने नदी से लाश बरामद की। महिला और उसके प्रेमी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इंदौर की सोनम और राजा रघुवंशी का मामला सुर्खियों में है। इसी बीच सिद्धार्थनगर में सामने आए ऐसे ही मामले ने सनसनी फैला दी है। ढेबरुआ एसएचओ गौरव कुमार सिंह ने बताया कि क्षेत्र की रेकहट ग्राम पंचायत के नजरगढ़वा की रहने वाली संगीता ने दो जून को पति कन्नन (48) की गुमशुदगी की तहरीर दी थी।

जांच में पता चला कि संगीता ही पति को लेकर घर से कहीं गई थी। इसके बाद सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने कबूल किया कि बलरामपुर के ललिया थानाक्षेत्र के धर्मपुर निवासी प्रेमी अनिल शुक्ला उर्फ विवेक के साथ कन्नन को ले गई थी। पुलिस के मुताबिक, संगीता ने बताया कि नशीला पदार्थ खिलाकर दोनों ने कन्नन को ललिया रोड स्थित पुल से राप्ती नदी में फेंक दिया था।

संगीता की निशानदेही पर मंगलवार को पुलिस ने पुल से करीब डेढ़ किलोमीटर आगे बलरामपुर के देहात कोतवाली क्षेत्र के सेमरहना गांव के पास नदी से कन्नन की लाश बरामद की।

वोट नहीं देने पर कर दी थी हत्या, अब 20 साल बाद मिली सजा

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा की एक अदालत ने साल 2005 के एक ऐसे केस में सजा सुनाई है, जिसको सुनकर लोगों का दिल दहल जाएगा। 20 साल बाद अदालत ने उन 6 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई, जिन्होंने अपने पसंदीदा उम्मीदवार को वोट देने से इनकार करने वाले एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी। आरोपी की पहचान जितेंद्र सिंह, बबलू सिंह, पवन सिंह, सत्तू सिंह, गिर्राज सिंह, गोविंद सिंह और बलबीर सिंह के रूप में हुई थी और मृतक की पहचान धर्मपाल के रूप में हुई थी।

आगरा के लाडम मनखेड़ा में पंचायत चुनाव के दौरान 35 वर्षीय धर्मपाल और उनके भाई धर्मवीर को कुछ लोगों ने उनके पसंदीदा उम्मीदवार को वोट देने के लिए कहा। जांच के दौरान मृतक के भाई धर्मवीर ने पुलिस बताया कि हम दोनों भाईयों ने उस उम्मीदवार को वोट देने से मना कर दिया। इसके बाद 6 लोगों ने मिलकर भाई धर्मपाल पर पहले लाठी से हमला किया फिर उसे गोली मार कर मौत के घाट उतार दिया। जिसके बाद उसे एसएन मेडिकल कालेज ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने अगले ही दिन आईपीसी की धारा 147, 148,149, और 302 के तहत FIR दर्ज की। जिसके बाद आरोपी को 15 सितंबर 2005 को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच अधिकारी एनसी गंगावार ने बताया कि उन्होंने बाजरे के खेत से । 315 बोर की एक बंदूक और दो गोलियां बरामद की। गंगवार ने कहा कि जांच के दौरान आरोपी बबलू उन्हें खेत में ले गया, वहां उसने दिखाया कि आरोपियों ने हथियार कहां छुपा के रखे थे और आरोपी बबलू ने यह भी बताया कि उसने किस तरह इस काम को अंजाम दिया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी बलवीर सिंह ने अदालत में एक चार्जशीट दाखिल की।

भीषण ताप से झुलस रहा यूपी का एक तिहाई हिस्सा, 24 जिलों में पारा 40 पार, 15 जिलों में यलो और पांच में आरेंज अलर्ट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश का लगभग एक तिहाई हिस्सा भीषण ताप से झुलस रहा है। सोमवार को 24 जिले में 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान रहा। दक्षिणी-पश्चिमी हिस्से को अब भी लू से राहत नहीं मिलती दिख रही है। हालांकि, पांच जिलों में लू का प्रभाव काफी कम हो गया है, लेकिन अब भी 20 जिलों में लू के आसार बने हुए हैं। मौसम विभाग ने दिन के साथ रात भी गर्म होने की चेतावनी जारी की है। 15 जिलों में यलो व पांच में आरेंज अलर्ट है। सर्वाधिक तापमान उरई में दर्ज किया गया।

मौसम विज्ञानी डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि इन दिनों मौसम शुष्क हो जाने के कारण गर्मी बढ़ रही है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दक्षिणी भाग में अधिकतम तापमान बढ़ रहा है। बुधवार को प्रदेश में अधिकतम तापमान उरई में सर्वाधिक 45.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इससे समीपवर्ती इलाकों में लू के थपेड़े से लगते रहे। हमीरपुर, बांदा और कानपुर देहात में भी लू का असर दिखा। वहां अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। लखनऊ के अधिकतम तापमान में भी मामूली कमी दर्ज की गई। रविवार को यहां का तापमान 41.4, सोमवार को 42 डिग्री रहा, जबकि मंगलवार को 42.7 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। हालांकि, बुधवार को फिर 42 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। डा. सिंह ने बताया कि अगले 24 घंटों में प्रदेश का मौसम मुख्यतया शुष्क बना रहेगा। प्रदेश के दक्षिणी क्षेत्रों में चल रही गर्म पछुआ हवा के प्रभाव से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 12 जून तक लू को लेकर उच्च श्रेणी का आरेंज अलर्ट, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान प्रदेश के अन्य भागों में भी तापमान एवं आर्द्रता सामान्य से अधिक रहने से उमस भरी गर्मी पड़ने की संभावना है।

लू को लेकर चेतावनी, ऑरेंज अलर्ट

गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, मथुरा, आगरा, झांसी एवं आसपास के इलाकों में।यलो अलर्ट : बागपत, मेरठ, हापुड़, अलीगढ़, हाथरस, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर, बागपत व आसपास के इलाकों में।

यहां रात होगी अधिक गर्म

सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर एवं आसपास के इलाकों में।

बड़ी भुइयन माता मंदिर में हनुमंत महायज्ञ और पंच धूनी अग्नि तपस्या का समापन विशाल भंडारे के साथ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। आईआईएम रोड स्थित ग्राम सरौरा में आयोजित श्री हनुमंत महायज्ञ और पंच धूनी अग्नि तपस्या का समापन मंगलवार को जेष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर विशाल भंडारे के साथ सम्पन्न हुआ। यह विशिष्ट धार्मिक आयोजन माता बड़ी भुइयन आनंद गिरि सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में 31 मई से आरंभ हुआ था, जिसमें देशभर से साधु-संतों सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।ट्रस्ट के प्रमुख तपस्वी नागा साधु आनंद गिरि महाराज ने 31 मई को भव्य शोभायात्रा के साथ धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत की थी। इसके बाद 1 जून से 10 जून तक उन्होंने खुले आसमान के नीचे चारों ओर अग्नि की धूनी के मध्य बैठकर कठिन अग्नि तपस्या की। यह तप जेष्ठ मास के पांचवें और अंतिम बड़े मंगलवार को यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुआ।ताया गया कि यह तपस्या लोककल्याण, सामाजिक सद्भाव और सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए की गई थी। समापन दिवस पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें पूड़ी-सब्जी, बूंदी और फलों का भोग अर्पित कर सभी को प्रसाद वितरण किया गया।आनंद गिरि महाराज ने कहा कि उनका यह कठोर तप संपूर्ण समाज के कल्याण, धर्म की रक्षा और जनमानस में सद्बुद्धि व सद्व्यवहार की भावना जागृत करने के लिए किया गया है। 108 फीट ऊंची धर्मध्वजा से सुसज्जित बड़ी भुइयन माता मंदिर लखनऊ के प्रमुख धार्मिक स्थलों में स्थान बना रहा है, जहां अब नियमित रूप से धार्मिक आयोजन और जनकल्याणकारी गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी।

चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ की बैठक में रिक्त पदों की भर्ती और स्थानांतरण नीति में बदलाव की मांग तेज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ स्थित बलरामपुर चिकित्सालय में मंगलवार को चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ उत्तर प्रदेश की एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता महासंघ के प्रधान महासचिव अशोक कुमार ने की। बैठक में प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग में लंबे समय से रिक्त चल रहे पदों को भरने और स्थानांतरण सत्र में नीतिगत बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया गया।बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि विभाग में रिक्त पदों की तत्काल भर्ती की जाए ताकि आमजन को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। इसके साथ ही यह मांग भी प्रमुखता से उठी कि पैरामेडिकल स्टाफ को भी चिकित्सकों और नर्सिंग संवर्ग की तरह सेवा काल के आधार पर स्थानांतरण की बाध्यता से मुक्त

रखा जाए।महासंघ की ओर से प्रमुख सचिव और महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य उत्तर प्रदेश को भेजे गए पत्र में यह आग्रह किया गया कि वर्तमान में प्रदेश में भीषण गर्मी और संभावित कोविड संक्रमण के चलते चिकित्सालयों में मरीजों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में चिकित्सकीय सेवाओं में तैनात कर्मचारियों को अनावश्यक स्थानांतरण से राहत दी जाए ताकि वे बिना मानसिक दबाव के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।बैठक में कई संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। डिप्लोमा फार्मेसिस्ट एसोसिएशन से कपिल वर्मा, अरुण अवस्थी, रजत और श्रवण सचान; लैब टेक्नीशियन एसोसिएशन से कमल श्रीवास्तव व सुनील कुमार; राजकीय नर्सेज संघ से मनीषा, महेंद्र नाथ श्रीवास्तव, जितेंद्र बहादुर सिंह, गीता शु वर्मा और अमिता रौस; राजकीय ऑप्टोमेट्रिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश से सर्वेश पाटिल; एक्स-रे टेक्नीशियन एसोसिएशन से राम मनोहर कुशवाहा व दिलीप कुमार और डार्क रूम सहायक संवर्ग से भानु राय इस बैठक में प्रमुख रूप से मौजूद रहे।बैठक में लिए गए निर्णयों से उम्मीद की जा रही है कि इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा बल्कि कर्मचारियों के हितों की भी रक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। महासंघ ने इस दिशा में जल्द से जल्द ठोस नीतिगत पहल की मांग की है।

भाजपा सरकार का आचरण अलोकतांत्रिक, संविधान के लिए बन गई है खतरा : अखिलेश यादव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि भाजपा का आचरण अधिनायकवादी है और उसका चरित्र पूरी तरह से अलोकतांत्रिक हो चुका है। भाजपा अब भारतीय संविधान के लिए चुनौती बन गई है। वह उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान अराजकता फैलाना चाहती है।समाजवादी पार्टी मुख्यालय लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया सभागार में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के हर विभाग में भ्रष्टाचार चरम पर है। शासन-प्रशासन से लेकर विकास कार्यों तक सब कुछ लूट-खसोट में डूबा है। कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो

चुकी है। प्रदेश में हत्या, लूट, बलात्कार की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रही घटनाएं चिंताजनक हैं और भाजपा सरकार इन पर लगाम लगाने में विफल साबित हो रही है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता और कार्यकर्ता खुद अराजकता फैला रहे हैं और जिलों में गरीबों की जमीनों पर अवैध कब्जे कर रहे हैं। भाजपा अब 'भू-माफिया पार्टी' बन चुकी है। प्रदेश की जनता के हित में भाजपा सरकार ने कोई ठोस काम नहीं किया। पूरा शासन तंत्र सिर्फ घोटालों और जनता के शोषण में लगा है।अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यों की चर्चा करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने उत्तर प्रदेश को विकास का एक स्पष्ट विजन दिया था। एक्सप्रेस-वे, मेट्रो, अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, पार्क और वीमेन पावर लाइन 1090 जैसी योजनाओं से प्रदेश को प्रगति के पथ पर लाया गया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिजली की मांग 32 हजार मेगावाट तक पहुंच गई है, लेकिन भाजपा सरकार ने अपने आठ साल के कार्यकाल में बिजली उत्पादन की एक भी नई यूनिट नहीं जोड़ी। उन्होंने भाजपा पर नकारात्मक राजनीति करने और विपक्षी नेताओं को बदनाम करने का आरोप भी लगाया।गौशालाओं की बदहाली पर सवाल उठाते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार को बताना चाहिए कि गौशालाओं में कितनी गायें हैं और उनके रख-रखाव के लिए कितना बजट दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में अन्याय और अत्याचार चरम पर है। लेकिन समाजवादी कार्यकर्ता तपती गर्मी में भी जनता के हक और भाजपा की गलत नीतियों के खिलाफ डटे हुए हैं।उन्होंने दावा किया कि 2027 में उत्तर प्रदेश में भाजपा का सफाया तय है और समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी ताकत से संघर्ष करें और प्रदेश को भाजपा के कुशासन से मुक्त कराएं।

म्हदैय्या चौकी प्रभारी ने पेश की मिसाल निशुल्क हेलमेट वितरित कर लोगो को किया जागरूक

उतरौला (बलरामपुर)। चौकी प्रभारी श्रवण चन्द्र ने महदेइया बाजार में अनोखी मिसाल पेश की है। क्षेत्र में बढ़ती वाहन दुर्घटना को देखते हुए चौकी प्रभारी ने बिना हेलमेट के मोटर साइकिल चालकों को निशुल्क हैल्मेट देकर उन्हें यातायात नियमों की सीख दी। थाना श्रीदत्तगंज के चौकी महदेइया के प्रभारी श्रवण चन्द्र ने बताया कि क्षेत्र में वाहनों से बढ़ रही दुर्घटना का मुख्य कारण वाहन चालकों के द्वारा यातायात नियमों का पालन न किया जाना है। मोटर साइकिल वाहन चालकों कै द्वारा हेलमेट न लगाएं जाने से सिर में गम्भीर चोट लगने से मौत तक हो जाती है। मोटर साइकिल चालक को सीख देने के लिए यातायात नियमों की जानकारी दी जाती है और उन्हें पुलिस की ओर से मोटर साइकिल चलाते समय हेलमेट लगाए जाने की सीख देते हुए निशुल्क हेलमेट वितरित किया गया।

पाकिस्तान को यूएन आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष बनाया जाना भारत की कूटनीतिक विफलता : प्रमोद तिवारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा पाकिस्तान को आतंकवाद रोधी समिति का उपाध्यक्ष चुने जाने को न केवल दुर्भाग्यपूर्ण बल्कि पूरी तरह अस्वीकार्य करार दिया है। उन्होंने इसे भारत की विदेश नीति का गंभीर पराभव बताया और कहा कि यह निर्णय वैश्विक मंच पर भारत की छवि और प्रभाव दोनों के लिए एक चिंताजनक संकेत है।प्रमोद तिवारी ने कहा कि पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान वर्षों से आतंकवाद को पनाह और बढ़ावा देने वाला देश रहा है। बावजूद इसके, उसे आतंकवाद रोधी समिति जैसी अहम जिम्मेदारी सौंपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की कूटनीतिक सक्रियता की कमी का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान की बार-बार समकक्षीय तुलना कर पाकिस्तान को विश्व मंचों पर महत्व देने की जो शुरुआत की थी, उसी का असर है कि आज यूएन जैसे महत्वपूर्ण संगठन में पाकिस्तान को ऐसी जिम्मेदारी मिल गई।उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार की खामोशी और लचर विदेश नीति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भ्रमित किया है, जिससे पाकिस्तान को यह सम्मान मिल सका। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान भी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा पाकिस्तान को एक अरब डॉलर की सहायता राशि जारी किया जाना भारत की कूटनीतिक असफलता का एक और उदाहरण है।राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने प्रधानमंत्री से मांग की कि पाकिस्तान को मिली इस 'ताजपोशी' पर भारत को कूटनीतिक रूप से मजबूत और स्पष्ट जवाब देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान की घेराबंदी के लिए प्रधानमंत्री के साथ हुई सर्वदलीय बैठक के परिणामों को भी देश के सामने रखा जाए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने इस मसले पर सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया है और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के जरिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति मजबूत की है।हालांकि उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के सुझाए नामों की उपेक्षा कर मोदी सरकार ने विपक्ष के साथ सौतेला व्यवहार किया, जो लोकतांत्रिक गरिमा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दे पर भी राजनीतिक भेदभाव को तरजीह दी, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।तिवारी ने कहा कि अब समय आ गया है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए, जिसमें सरकार यह बताए कि प्रतिनिधिमंडल ने किन राष्ट्राध्यक्षों या विदेश मंत्रियों से मुलाकात की और आतंकवाद के खिलाफ किस देश ने क्या समर्थन दिया।उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उस मांग का भी समर्थन किया जिसमें लोकसभा में उपाध्यक्ष पद पर चुनाव कराए जाने की बात कही गई है। तिवारी ने कहा कि 1952 से यह परंपरा रही है कि लोकसभा का उपाध्यक्ष विपक्ष से होता है, लेकिन मोदी सरकार ने दो कार्यकाल पूरे कर लेने के बावजूद इस पद को खाली रखा है। यह लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों के प्रति भाजपा सरकार की अवहेलना का स्पष्ट उदाहरण है।उन्होंने कहा कि उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में कई महत्वपूर्ण संसदीय समितियों का कामकाज प्रभावित हुआ है, जो लोकतंत्र की कार्यप्रणाली के लिए चिंताजनक है। तिवारी ने मोदी सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने और संसदीय परंपराओं को लगातार दरकिनार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह रवैया तानाशाही प्रवृत्ति को दर्शाता है, जिससे देश की लोकतांत्रिक नींव को गहरा खतरा है।

आम के बाग में पेड़ से लटकता मिला युवक का शव, आत्महत्या की आशंका

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र स्थित हलुवापुर गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब बुधवार सुबह एक व्यक्ति का शव आम के पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान 35 वर्षीय सर्वेश कुमार के रूप में हुई है, जो गांव के ही आम के बाग में रखवाली करने के लिए रात में वहीं सोया था।परिजनों के अनुसार, सुबह लगभग छह बजे जब वह लोग बाग पहुंचे तो देखा कि सर्वेश ने चादर का फंदा बनाकर आम के पेड़ से आत्महत्या कर ली थी। सूचना मिलने पर थाना काकोरी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना स्थल पर फील्ड यूनिट भी मौजूद रही और साक्ष्य संकलन का कार्य किया गया।परिवारजनों ने बताया कि सर्वेश शराब के आदी थे और उनके दो छोटी बेटियां हैं, जिनकी उम्र क्रमशः 3 और 5 वर्ष है।

चैन लूट की घटना का खुलासा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ की गोमती नगर पुलिस को मिली बड़ी सफलता । तीन चेन लुटेरों को पुलिस ने किया गिरफ्तार । जेल में बना गैंग... बाहर आते ही चेन लूट की वारदात को किया शुरू ।स्पोर्ट्स बाइक के शौकीनों ने मचाया लूट का तांडव लखनऊ मे ।लखनऊ पुलिस की बड़ी कामयाबी — तीन लुटेरे गिरफ्तार । लखनऊ के गोमतीनगर और आस पास के क्षेत्र में चेन स्नेचिंग से मचाई थी दहशत ।जेल में रची साजिश... CCTV से खुली पूरी पोल । टीवीएस राइडर बाइक से करते थे वारदात हो जाते थे रफू चक्कर। चेन लूट की वारदात के 24 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा । दो बालिग, एक नाबालिग गिरफ्तार। सात चेन, दो लॉकेट और बाइक भी बरामद।

योग के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग : डॉ. सूर्यकान्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में बुधवार को योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अयोजक विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त के साथ योग विशेषज्ञ डॉ. श्रुति अग्निहोत्री एवं योग प्रशिक्षक संजीव त्रिवेदी ने सभी लोगों को योग प्रोटोकॉल के अनुसार योग व प्राणायम का अभ्यास कराया। इसमें प्राणायाम, अनुलोम विलोम, कपालभाति, भ्रामरी व भस्त्रिका मुख्य थे। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की इस वर्ष की थीम है ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग''।

डॉ. सूर्यकान्त ने योग से होने वाले स्वास्थ्य लाभों पर विस्तार से चर्चा की तथा अस्थमा से पीड़ित

रोगियों हेतु योग से होने वाले लाभों का भी जिक्र किया। उन्होंने योग के क्षेत्र में किए गए अपने कार्यों को साझा करते हुए बताया कि योग व नेचुरोपैथी के क्षेत्र में रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग, केजीएमयू लखनऊ अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विभाग में अब तक योग से संबंधित विभिन्न शोध कार्य हो चुके हैं व 25 शोध पत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हो चुके हैं। डॉ. सूर्यकान्त के दिशा निर्देशन में डॉ. श्रुति अग्निहोत्री ने अस्थमा और योग के सम्बंध में जो अनुसंधान कार्य किया , वह विश्व का प्रथम अनुसंधान कार्य था। इस विषय में प्रख्यात अवार्ड चार्ल्स रिके प्राइज़ भी डॉ. श्रुति अग्निहोत्री को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए इंडियन कॉलेज का एलर्जी अस्थमा एंड अप्लाइड इम्यूनोलॉजी द्वारा प्रदान किया जा चुका है। वर्तमान में विभाग में जलनेति पर अनुसंधान कार्य किया जा रहा है, जो ईंडियन कौंसिल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च द्वारा अनुदानित है। इस कार्यक्रम में विभाग के चिकित्सक डा. आर. एस. कुशवाहा, डा. संतोष कुमार, डा. अजय कुमार वर्मा, डा. आनन्द श्रीवास्तव, रेजिडेंट डॉक्टर, नर्सिंग स्टॉफ स्वास्थ्य कर्मी तथा धन्वंतरि सेवा न्यास के संतोष पटेल सम्मिलित हुए।

गोमतीनगर में चैन स्नैचिंग की घटनाओं का पर्दाफाश, दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार, एक नाबालिग हिरासत में

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोमतीनगर क्षेत्र में लगातार हो रही चैन स्नैचिंग की वारदातों पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक नाबालिग को संरक्षण में लेकर पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तारी सर्विलांस टीम पूर्वी जोन और थाना गोमतीनगर की संयुक्त कार्रवाई में की गई, जिसके तहत अभियुक्तों के पास से लूटी गई सात सोने की चैन के टुकड़े, दो पीली धातु के लॉकेट और वारदात में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गई।इस कार्रवाई की शुरुआत उस वक्त हुई जब थाना गोमतीनगर पर पीड़िता गरिमा राय ने शिकायत दर्ज कराई कि 10 जून की सुबह विनीत खंड में तीन बाइक सवार युवकों ने उनकी सोने की चैन व लॉकेट झपट ली। इस सूचना पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर

जांच शुरू की और उच्चाधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई।गठित टीम जब 11 जून की सुबह हनीमैन चौराहे पर चेकिंग कर रही थी, उसी दौरान तीन युवक संदिग्ध हालात में बाइक पर आते दिखाई दिए। पुलिस को देख वे बाइक घुमाकर भागने लगे, लेकिन टीम ने पीछा कर खरगापुर क्रॉसिंग के पास घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में उनकी पहचान विमल रावत (निवासी खरगापुर क्रॉसिंग, उम्र 20 वर्ष), सिद्धार्थ यादव (निवासी ग्वारी, उम्र 19 वर्ष) और एक 16 वर्षीय बाल अपचारी के रूप में हुई।तीनों ने पूछताछ में खुलासा किया कि वे गोमतीनगर, गोमतीनगर विस्तार और विभूतिखंड थाना क्षेत्रों में स्नैचिंग की तीन घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। उन्होंने बताया कि जेल में एक-दूसरे से मुलाकात के बाद महंगी स्पोर्ट्स बाइक खरीदने के उद्देश्य से दोबारा अपराध करने का मन बनाया और योजना के अनुसार महिलाओं को निशाना बनाकर चैन लूट की घटनाएं कीं। लूटी गई चैन को तीन हिस्सों में बांटकर आपस में वितरित कर दिया गया।इन घटनाओं में गोमतीनगर थाना पर मु.अ.सं. 232/25, विभूतिखंड में मु.अ.सं. 215/25 और गोमतीनगर विस्तार में मु.अ.सं. 112/25 के तहत केस दर्ज हैं। बरामद सामान में सभी मामलों से जुड़ी चैन के टुकड़े और लॉकेट शामिल हैं।अभियुक्त विमल रावत और सिद्धार्थ यादव के खिलाफ पूर्व में भी लूट, चोरी और हथियार रखने जैसे संगीन अपराधों में कई मुकदमे दर्ज हैं। बाल अपचारी पर भी चोरी का पुराना केस सामने आया है। पुलिस इनका विस्तृत आपराधिक इतिहास खंगाल रही है।इस सफल कार्रवाई में शामिल टीम में प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश चंद्र तिवारी, उपनिरीक्षक गुरप्रीत कौर, अमरनाथ चौरसिया, आनंद कुमार यादव, दीपक यादव, भानु प्रताप सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन ने सराहनीय कार्य करने वाली टीम को ₹10,000 नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

भारत में बढ़ते आयात से स्थानीय विनिर्माण को भारी नुकसान

आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है।

भारत के आर्थिक विकास के आंकड़े घरेलू विनिर्माण, औद्योगिक उत्पादन और रोजगार सृजन से तेजी से अलग होते जा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश की 6.5 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र का अत्यल्प योगदान रहा, जो चार वर्षों में सबसे ऊपर था। पिछले साल अच्छे मानसून के बावजूद, दूसरी छमाही (अक्टूबर-मार्च) में देश के कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत रही। 2024-25 के लिए औद्योगिक विकास दर केवल 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे कम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में देश का औद्योगिक उत्पादन आठ महीने के निचले स्तर 2.7 प्रतिशत पर आ गया। तब फिर देश की जीडीपी वृद्धि को कौन आगे बढ़ा रहा है? जाहिर है, देश का कम भरोसेमंद विशाल सेवा क्षेत्र, जिसे भारी आयात आधार दे रहा है। विडंबना यह है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत के कुल आयात में 6.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जो देश की जीडीपी वृद्धि दर से थोड़ा अधिक है। इससे कुछ हद तक गलत धारणा बन सकती है कि जीडीपी वृद्धि आयात वृद्धि से जुड़ी हुई है। अनियंत्रित आयात, मुख्य रूप से चीन से, भारत की घरेलू उत्पादन पहल और देश के नयी नौकरी सृजन एजेंडे को कमजोर कर रहे हैं। भारत से चीन को आयात तेजी से घट रहा है।

पिछले वित्त वर्ष में, चीन से भारत का आयात 113 अरब डॉलर से अधिक था, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक था। चीन से आयात किये जाने वाले शीर्ष उत्पादों में विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनरी, कार्बनिक रसायन और प्लास्टिक शामिल थे, जिनमें से अधिकांश का निर्माण भारत में किया जाना चाहिए था। इस वृद्धि ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ाने में योगदान दिया। इसके विपरीत, चीन को भारत का माल निर्यात पिछले साल के 16.66अरब डॉलर से घटकर केवल 14.25 बिलियन डॉलर रह गया।

निर्यात-प्रधान चीन भारत से कुछ भी आयात करना पसंद नहीं करता है। सरकार में कोई भी व्यक्ति देश में साल दर साल, खास तौर पर चीन से आयात में हो रही भारी वृद्धि के बारे में चिंतित नहीं दिखता। आयात ज्यादातर घरेलू उत्पादन और स्थानीय नौकरियों की कीमत पर होता है। कोई भी देश केवल माल का आयात नहीं करता। वह श्रम का भी आयात करता है, जो आयातित उत्पादों के निर्माण में जाता है। चीन भारत का शीर्ष आयात स्रोत बना हुआ है, जो किसी भी एक देश से अब तक का सबसे बड़ा आयात स्रोत है।

पिछले वित्त वर्ष में, भारत का कुल आयात बढ़कर 915.19अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह वृद्धि उच्च माल आयात द्वारा संचालित थी, जो 720.24अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में 678.21अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। सरकार का कोई भी विभाग वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सरकार के संचालन के बाद से कम और धीमी घरेलू औद्योगिक उत्पादन और घटती हुई नौकरी वृद्धि दर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सरकार एक सपने के सौदागर की तरह काम कर रही है, जिसे अक्सर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त देखा जाता है।

आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित 'मेक-इन-इंडिया' पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। 2025 के पहले तीन महीनों में, चीन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 36.9अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था। पूरे 2024-25 के दौरान भारत में मात्र 0.4अरब डॉलर के एफडीआई प्रवाह के आकलन पर विचार करें। एक साल पहले यह 10.1अरब डॉलर था। गत वर्ष का आंकड़ा शायद देश के वार्षिक एफडीआई प्रवाह रिकॉर्ड में सबसे खराब प्रदर्शन है, जबकि सरकार भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने की बात करती रहती है।

साइबर अपराधियों के बढ़ते हौसलें, आमजन में शिकायत की जानकारी का अभाव

ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश दुनिया में साइबर अपराध के बढ़ते आंकड़े जहां चिंतित करने वाले हैं वहीं यह और भी आश्चर्यजनक और चिंताजनक हालात है कि लाख अवेयरनेस प्रोग्राम व मीडिया में आये दिन साइबर ठगी के समाचारों की भरमार के बावजूद देश में केवल 18 फीसदी लोग ही ऐसे हैं जिन्हें साइबर अपराध होने पर उसकी शिकायत कहां और कैसे करनी है कि जानकारी है। यह तो सरकारी आंकड़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जनवरी-मार्च, 2025 में कराये गये ताजातरीन सर्वे से यह आंकड़ें प्राप्त हुए हैं। दूसरी और यूपीआई से भुगतान में खासा बढ़ोतरी हुई हैं। आज ठेले पर सब्जी बेचने वाले से लेकर दो-पांच रुपए का सामान विक्रेता भी आसानी से यूपीआई से भुगतान प्राप्त कर रहा है। 2022-23 में जहां केवल 38 फीसदी लोग ऑनलाइन पेमेंट करते थे वह आज बढ़कर 50 प्रतिशत के लगभग हो गया है। वास्तविकता तो यह है कि आज ऑनलाइन पेमेंट करना लोगों की आदत में आ गया है। जेब में रुपया-पैसा रखना या कहीं जाते समय साथ पैसा लेजाना लोगों की आदत में अब लगभग नहीं ही रहा है। पर तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद है और पिछले तीन सालों में ही साइबर अपराध के आंकड़ें तीन गुणा बढ़ गए हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज मोबाइल पर किसी का नंबर डायल करते ही पहले साइबर अपराध से सचेत रहने की कॉलर ट्यून सुनने को मिलती है और उसके बाद बात होती है।

मोबाइल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म खासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश सुनने को मिलता है। इतने के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रुपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाइस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह होता जा रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमातड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड, राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए।

ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। इनके बाद चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों सारी दुनिया में सहज पहुंच है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाल ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं।

हमारे देश में साइबर ठग या तो किसी तरह का लालच देकर लिंक भेजकर ठगी करते हैं या फिर ड़रा धमकाकर आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। सरकार प्रचार के सभी माध्यमों से बार बार व लगातार आगाह कर रही है कि ठगों द्वारा ड़राने वाले तरीके वास्तविक नहीं है। बैंक कभी भी बैंक डिटेल या ओटीपी ऑनलाइन नहीं मांगते पर पता नहीं कैसे ठगों के जाल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई लुटा बैठते हैं। ओटीपी दे देते हैं तो लिंक खोलने के लिए लाख मना करने के बावजूद लिंक खोलकर लुट जाते हैं। पुलिस अधिकारी बन कर जिस तरह से डिजिटल अरेस्ट कर ठगी का रास्ता अपनाया जा रहा है उस संबंध में अवेयरनेस अभियान के बावजूद ठगी का शिकार होने वालों की संख्या या राषि में कमी नहीं हो रही है। डिजिटल अरेस्ट में डॉक्टर, रिटायर्ड जज, प्रोफेसर, प्रशासनिक अधिकारी सहित संभ्रात वर्ग के लोगों को आसानी से जाल में फंसाकर ठगी हो रही हैं वह भी करोड़ों तक की ठगी के उदाहरण मिल रहे हैं। झूठे मामलों में परिजनों को फंसने से बचाने का झांसा देकर ठगी हो रही है। मजे की बात यह है कि इस स्तर तक ड़र या भयाक्रांत हो जाते हैं कि किसी अन्य या पुलिस से समस्या साझा करने की हिम्मत भी नहीं कर पाते और ठगी के बाद हाथ मलते रह जाते हैं। डिजिटल अरेस्ट के मामलें तो दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। दरअसल इसमें पुलिस, सरकारी जांच एजेंसी या प्रवर्तन निदेशालय के नकली अधिकारी बन कर इस कदर ड़रा देते हैं कि कई दिनों तक लगातार ऑडियो या वीडियो कॉल करके ठगी का शिकार बना लेते हैं।

ऐसा नहीं है कि सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हो। सरकार व वित्तदायी संस्थाओं द्वारा मीडिया के माध्यम से सजग किया जा रहा है। इसके साथ ही झारखण्ड के बड़े केन्द्र जमातड़ा को लगभग समाप्त कर ही दिया है। पर देष में 74 हॉट स्पॉट विकसित हो गए हैं। इनमें हरियाणा का नूंह, राजस्थान का डीग, झारखण्ड का देवघर, राजस्थान का अलवर और बिहार का नालंदा पहले पांच हॉट स्पॉट हो गए हैं। मीडिया द्वारा भी समय समय पर सर्ट्रिंग कर इस तरह के केन्द्रों को एक्सपोज किया है पर ठगी कम होने को ही नहीं है। दरअसल आमनागरिकों को भी सजग होना ही होगा। अनजान नंबरों पर बात ही ना करें। ज्योंही कोई डराये धमकायें तो बहकावें में आने के स्थान पर पड़ताल करें। इस तरह के हालात सामने आये तो परेशान होने के स्थान पर परेशानी को साझा करें, पुलिस का सहयोग लेने में भी संकोच ना करें। देखा जाए तो सजगता इस समस्या का समाधान हो सकती है। सबसे ज्यादा जरुरी यह हो जाता है कि लाख सजगता के बावजूद भी यदि साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं तो उस स्थिति में बिना किसी घबराहट और संकोच के कहां ओर कैसे शिकायत की जा सकती है इसकी जानकारी देने के लिए सरकारी संस्थाओं के साथ ही गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा नहीं तो साइबर अपराध का जिस तरह से दायरा दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढ़ रहा है उस पर अंकुश नहीं लग सकेगा।

अजब-गजब

इस देश की कंपनियों का है अजीब नियम, 2 साल तक ऑफिस मत जाइए, फिर भी मिलती रहेगी 70% सैलरी

आज के समय में अगर आप एक छुट्टी मांग लो तो एचआर सीधा उस छुट्टी के पैसे काट लेता है। ऐसे में क्या हो अगर कहीं आपको 2 साल तक बिना काम किए 70% सैलरी मिल जाए तो! सुनने में आपको ये बात थोड़ी अजीब जरूर लग रही होगी लेकिन ये पूरी तरीके से एकदम सच हैं। हम बात कर रहे हैं यूरोप में बसे नीदरलैंड के बारे में, जहां कंपनियां आपको दो साल तक की छुट्टियां देने को तैयार हैं। ये खबर जैसे ही सोशल मीडिया पर आई तो ये आग की तरह फैल गई। लोगों का कहना है कि बिना काम के इतनी सैलरी मिल रही हो तो छुट्टी लेने में क्या हर्ज है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नीदरलैंड की सरकार और कंपनियां अपने कर्मचारियों की सेहत और आर्थिक सुरक्षा को लेकर कुछ ज्यादा ही गंभीर है। जिसे वहां के लोग सिक पे स्कीम कहते हैं। इसके तहत अगर कोई कर्मचारी बीमार पड़ जाता है तो तो उसे 2 साल तक अपनी सैलरी का कम से कम 70% हिस्सा मिलता है। ये नियम वहां के डच लॉ का हिस्सा है। इसके तहत पहले साल में यह राशि मिनिमम वेज से कम नहीं हो सकती लेकिन दूसरे साल में यह शर्त लागू नहीं होती है।

हैरानी की बात तो ये है कि यहां कई कंपनियां ऐसी हैं जो पहले साल में 100% सैलरी देती हैं। ये बेहतरीन सुविधा हर कर्मचारी को मिलती है। फिर चाहे वो परमानेंट हों या टेम्परारी कॉन्ट्रैक्ट पर हों। इस स्कीम का फायदा उठाने से पहले कर्मचारियों को कुछ शर्त भी माननी पड़ती है। इसके लिए कर्मचारी को पहले ही दिन अपनी बीमारी की सूचना पहले दिन ही कंपनी को देनी होती है। इसके बाद कंपनी अपने द्वारा एक डॉक्टर को भेजती है, जो इस बात को चेक करती है कि कर्मचारी की सेहत का आकलन करवाती है। कर्मचारी को भी रिकवरी और रीइंटीग्रेशन (काम पर वापसी) की प्रक्रिया में सहयोग करना होता है।

अगर कोई कर्मचारी ऐसा नहीं करता तो कंपनी सैलरी रोक सकती है। वहीं, इसके अलावा कंपनी की जिम्मेदारी है कि वह कर्मचारी को काम पर वापस लाने के लिए हर संभव कोशिश करें। अगर 2 साल बाद भी कर्मचारी पूरी तरीके से ठीक नहीं हो पता और काम पर वापस नहीं आता तो इस समय के बाद से कंपनी की सैलरी देने की जिम्मेदारी खत्म हो जाती है।

ब्लॉग

भारतीय अर्थव्यवस्था को भारतीय रिजर्व बैंक के दो महत्वपूर्ण तोहफे

प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर विश्व के कई देशों में आर्थिक गतिविधियों पर संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में तो श्री डॉनल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से नित नई घोषणाएं की जा रही है। कभी टैरिफ को बढ़ाया जा रहा है तो कभी टैरिफ को लागू करने की तारीखों में परिवर्तन किया जा रहा है तो कभी टैरिफ को कम किया जा रहा है। कुल मिलाकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अफरा तफरी का माहौल बन गया है। अभी हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति श्री ट्रम्प एवं अमेरिका के एक महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली मंत्री श्री एलान मस्क के बीच युद्ध छिड़ गया है एवं अब वे एक दूसरे पर गम्भीर आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था का इन सब बातों से बहुत नुक्सान होता हुआ दिखाई दे रहा है। बेरोजगारी भत्ता लेने वाले नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है, अमेरिकी कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छंटनी पर विचार किया जा रहा है एवं आर्थिक विकास दर कम हो रही है। दूसरी ओर, रूस यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के आसार अभी भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक तरह से इजराईल, हम्मास के बीच युद्ध अभी भी जारी ही है। चीन एवं अमेरिका के बीच में आई खटास भी कम होने का नाम नहीं ले रही है।

वैश्विक स्तर पर इन समस्त घटनाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था नित नई ऊचाईयों को छूने की ओर अग्रसर है। भारत में नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रति कटिबद्ध हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपक्रम एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां देश के आर्थिक विकास को गति देने में अपने प्रयास लगातार तेज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 6 जून 2025 को द्विमासिक मुद्रा नीति की घोषणा करते हुए, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से, दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक, रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6 प्रतिशत की दर से नीचे लाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया गया है। केलेंडर वर्ष 2025 में रेपो दर में यह लगातार तीसरी कटौती की गई है एवं कुल मिलाकर रेपो दर में 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा चुकी है। फरवरी 2025 एवं अप्रेल 2025 घोषित की गई मुद्रा नीति के माध्यम से रेपो दर में दोनों बार 25 आधार बिंदुओं की कमी की गई थी। रेपो दर उस दर को कहते हैं, जिस दर पर भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों को आवश्यकता पड़ने पर ऋण उपलब्ध कराता है एवं विभिन्न बैंक रेपो दर को आधार दर बनाते हुए इस दर पर कुछ आधार बिंदु (जमाराशि की लागत एवं लाभ की राशि का समायोजन करते हुए) जोड़ते हुए, ब्याज की दर पर, अपने ग्राहकों को ऋणराशि उपलब्ध कराते हैं।

दूसरे, भारतीय रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात में सीधे ही 100 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 4 प्रतिशत की दर से घटाकर 3 प्रतिशत की दर पर ला दिया है। इससे, भारत में बैंकों के पास 2.5 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से उपलब्ध हो जाएगी एवं सिस्टम में तरलता बढ़ जाएगी। नकद आरक्षित अनुपात उस अनुपात को कहते हैं, जिस पर विभिन्न बैंकों को अपने मांग एवं जमा देयताओं की राशि पर इस अनुपात की दर से नकदी राशि भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा करानी होती है। अतः यह राशि इन बैंकों की पहुंच से बाहर हो जाती है एवं ऋण के रूप में इसे बैंक के ग्राहकों को उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। यदि नकद आरक्षित अनुपात को कम कर दिया जाता है तो बैंकों के पास यह राशि ऋण के रूप में प्रदान करने के लिए उपलब्ध हो जाती है। इससे स्पष्टतः बैंकों की लाभप्रदता में सुधार होता है।

भारतीय रिजर्व बैंक के उक्त महत्वपूर्ण दोनों निर्णयों से वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत में उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करने में सहायता मिलेगी क्योंकि बैंक अपने ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज दरों को कम करेंगे। इससे, विशेष रूप से व्यक्तिगत ऋण, गृह ऋण, वाहन ऋण, आदि सस्ते होंगे और अब प्रति माह ग्राहकों द्वारा इन ऋणों पर अदा की जाने वाली मासिक किश्त की राशि में कमी आएगी और इन नागरिकों के पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त राशि उपलब्ध होने लगेगी, जिसे वे अन्य पदार्थों को खरीदने में खर्च कर सकेंगे। साथ ही, ऋण पर ब्याज राशि कम होने से विभिन्न उत्पादक कम्पनियों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी क्योंकि उन्हें अब बैंकों से लिए गए ऋण पर कम ब्याज देना होगा। लाभप्रदता में होने वाली इस अतिरिक्त वृद्धि के चलते यह कम्पनियां अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में गम्भीरता से विचार करेंगी क्योंकि उत्पादों की होने वाली मांग में वृद्धि की पूर्ति जो करनी है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जून 2025 माह में घोषित मौद्रिक नीति को अर्थशास्त्रियों एवं बैंकिंग जगत के विशेषज्ञों द्वारा हाल ही के वर्षों में घोषित की गई सबसे बेहतरीन मौद्रिक नीति माना जा रहा है। इस मौद्रिक नीति को भारत के शेयर बाजार ने भी दिनांक 6 जून 2025 को त्वरित सकारात्मक उत्तर दिया और निफ्टी एवं सेन्सेक्स में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। ब्याज दरों से जुड़े क्षेत्रों विशेष रूप से बैंकिंग, रीयल एस्टेट एवं ऑटो क्षेत्र की कम्पनियों के शेयरों में जोरदार उछाल देखने को मिला है। दरअसल अधिकतर अर्थशास्त्री रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की उम्मीद कर रहे थे परंतु भारतीय रिजर्व बैंक ने 50 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा करते हुए अपनी आक्रात्मक नीति का परिचय दिया है। अतः रेपो दर में उम्मीद से अधिक कटौती होने पर निवेशकों का भारतीय कम्पनियों, विशेष रूप से वे कम्पनियां जो घरेलू मांग एवं ऋण पर निर्भर रहती हैं, पर भरोसा बढ़ा है।

भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता एवं उत्पादों की बिक्री में लगातार हो रहे तेज सुधार के चलते इन भारतीय कम्पनियों की साख अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी बढ़ेगी। आगे आने वाले समय में यह कम्पनियां बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वरूप भी ले सकती हैं। और फिर, ब्याज दरों में लगातार की जा रही कमी के चलते इन कम्पनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की उत्पादन लागत भी कम होगी जिससे इन कम्पनियों के उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। हां, भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने स्टैन्स को अकोमोडेटिव से न्यूट्रल जरूर कर दिया है जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक रेपो दर में आगे आने वाले समय में आवश्यकता पड़ने पर बढ़ौतरी कर सकता है। जबकि अकोमोडेटिव स्टैन्स में रेपो दर में केवल कमी करने की सम्भावना निहित रहती है। परंतु, आगे आने वाले समय में यदि मंहगाई की दर पर नियंत्रण बना रहता है जिसकी सम्भावना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी की गई है और औसत मंहगाई दर के अनुमान को 4 प्रतिशत से घटाकर 3.70 प्रतिशत कर दिया गया है। अतः बहुत सम्भव है कि भारतीय रिजर्व बैंक को न्यूट्रल स्टैन्स के बावजूद रेपो दर में कमी ही करनी पड़ सकती है।

कुल मिलाकर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मंहगाई की दर में आई कमी एवं विकास दर में आई सुस्ती को देखते हुए रेपो दर एवं नकद आरक्षित अनुपात में आक्रात्मक रूप से की गई कटौती को एक सक्रिय निर्णय कहा जा सकता है। इससे अर्थव्यवस्था में खपत एवं निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उत्पादों की मांग में वृद्धि होगी, उद्योग जगत अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के उद्देश्य से अपने पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर विचार करेगा। चूंकि भारत में मुद्रा स्फीति की दर अब नियंत्रण में है अतः भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में विकास दर को बढ़ाने को प्राथमिकता दी है। हालांकि अपने स्टैन्स को न्यूट्रल रखकर मुद्रा स्फीति एवं वैश्विक स्तर पर विभिन्न जोखिमों पर भी नजर बनाए रखने का आभास दिया है। इसीलिए विभिन्न अर्थशास्त्रियों एवं बैंकिंग जगत के विशेषज्ञों द्वारा इस मुद्रा नीति को एक क्रांतिकारी कदम बताया जा रहा है।

राजा के कत्ल के समय किराये की बाइक लेकर आकाश कर रहा था ये काम

आर्यावर्त संवाददाता

झांसी / महरौनी / ललितपुर। मध्यप्रदेश के इंदौर के रहने वाले कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के आरोपी आकाश राजपूत (19) की गिरफ्तारी के लिए सोमवार को शिलांग पुलिस ने महरौनी के चौकी गांव स्थित उसके घर पर दबिश दी। आकाश से हत्याकांड के बारे में पूछा, लेकिन उसने इसकी जानकारी से इन्कार कर दिया। यहां से शिलांग पुलिस आकाश को हिरासत में लेकर इंदौर पहुंची। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे सात दिन की ट्रांजिट रिमांड पर लेकर शिलांग के लिए रवाना हो गई।

राजा रघुवंशी का शव बरामद होने के बाद शिलांग पुलिस ने मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स के लोकल गाइड से भी पूछताछ की थी। राजा के परिजनों ने गाइड को उसके एवं सोनम के दोस्तों की तस्वीर एवं वीडियो दिखाए। इनमें एक गाइड ने इंदौर निवासी आकाश, आनंद कुर्मी और विशाल की पहचान की थी।

गाइड ने दावा किया था कि ये लोग भी यहां घूमने आए थे। सर्विलांस से मिले सुराग के जरिये पुलिस सबसे पहले इंदौर में आनंद तक पहुंची। आनंद के सहारे पुलिस ने खिमलासा (मध्य प्रदेश) से विशाल चौहान उर्फ विक्की को पकड़ा। इन दोनों की मदद से पुलिस ललितपुर के महरौनी के चौकी गांव में आकाश के घर तक जा पहुंची।

पुलिस ने आकाश से सबसे पहले उससे हत्याकांड के बारे में पूछा

यहां वह दादा-दादी के घर छुपकर रह रहा था। आकाश को हिरासत में लेने के साथ ही पुलिस ने सबसे पहले उससे हत्याकांड के बारे में पूछा। उसके ऐसा करने से इन्कार करने पर घर की तलाशी ली गई थी। उस दौरान पुलिस ने उसके तीन रिश्तेदारों को भी पकड़ा लेकिन, प्रारंभिक पूछताछ के बाद कोई तथ्य न मिलने पर उनको छोड़ दिया। आरोपियों को लेकर पुलिस टीम महरौनी थाने पहुंची। यहां भी तीनों से बंद कमरे में एक साथ पूछताछ हुई।

किराये की बाइक लेकर रखवाली कर रहा था आकाश

पुलिस सूत्रों का कहना है प्रारंभिक छानबीन में यह बात सामने आई कि विशाल ने राजा पर हमला किया, जबकि आकाश वहां किराये की बाइक लेकर रखवाली कर रहा था। आकाश को आसपास के पूरे इलाके की निगरानी करने की जिम्मेदारी दी गई थी। आकाश उस समय वहां घूम रहा था, तभी गाइड से उसकी मुलाकात हुई।

गाइड ने उससे घूमने चलने के लिए कहा था, लेकिन आकाश ने इन्कार कर दिया था। पुलिस ने आकाश को किराये पर बाइक देने वाले को भी तलाश लिया है। अब ट्रांजिट रिमांड की मदद से शिलांग पुलिस आकाश को घटना स्थल पर ले जाएगी। वहां गाइड समेत अन्य से उसकी शिनाख्त कराएगी।

बीबीए कर रहा है आकाश

आरोपी आकाश की दादी भरत रानी के मुताबिक उसका पौत्र बचपन से ही इंदौर में अपने माता-पिता के साथ रहता है। वह बीबीए की पढ़ाई कर रहा है। यहां गांव में उसके चाचा और दादा-दादी रहते हैं। घटना के संबंध में कोई जानकारी नहीं है। भरत रानी ने बताया कि आकाश शांत स्वभाव का है। उस पर हत्या जैसे आरोप से वे सभी लोग सदमे में हैं।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में शिलांग पुलिस यहां आई थी। चौकी गांव से पुलिस एक युवक को लेकर अपने साथ ले गई। मेघालय पुलिस की इस कार्रवाई में जिले की कोतवाली सदर, महरौनी पुलिस और साइबर टीम ने मदद की थी। - मोहम्मद मुश्ताक, एसपी

सोनम और राज के बीच पांच महीने से था प्रेम-प्रसंग

राजा रघुवंशी और सोनम के केस में कई बड़े खुलासे हुए हैं। इंदौर पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने जो कहानी बताई है, वह बेहद खौफनाक है। सोनम और राज के बीच पांच महीने से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। राज ने कबूल किया कि सोनम से अफेयर चार से पांच माह का था। पिता के हार्ट पेशेंट होने से सोनम लव मैरिज नहीं कर पा रही थी। पिता समाज में शादी करना चाहते थे इसलिए उसने राजा से शादी को हां कर ली थी।

सोनम ने राज से कहा था- जब मैं विधवा हो जाऊंगी, तब मुझसे शादी कर लेना

सोनम ने पहले ही तय कर लिया था कि शादी के बाद राजा को मारकर राज के साथ रहने लगेगी। सोनम ने राज से कहा था कि जब मैं विधवा हो जाऊंगी, फिर तुम मुझसे शादी कर लेना। तब मेरे परिवार वाले भी हमारी शादी के लिए मान जाएंगे। राजा और सोनम की 11 मई को शादी हुई। दोनों के परिवार बहुत खुश थे।

सोनम भी परिवार में घुल मिल गई और कभी अपनी साजिश का शक नहीं होने दिया। 16 मई को सुपर कॉरिडोर के कैफे में राजा की हत्या की साजिश रची गई। प्रेमी राज ने दोस्त विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को साथ में लिया। उसी रात छह घंटे तक फोन पर सोनम को हत्या की पूरी योजना समझाई गई।

हत्या के पहले राज ने आरोपियों को 50 हजार, एक कीपैड, एक एंड्रॉइड मोबाइल और नई सिम दिलाई। ये सब चीजें आरोपियों ने सोनम को दे दी। इसी नंबर और फोन से सोनम शिलांग जाने के बाद तीनों के संपर्क में रही थी। प्रेमी राज को जब सोनम ने 22 मई को शिलांग के लिए निकलने की बात कही तो राज ने आरोपियों के टिकट कराए, लेकिन ऐनवक्त पर खुद ने जाने से मना कर दिया।

राज इंदौर से ही तीनों को निर्देश देता रहा। वह यहां पर राजा के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुआ ताकि किसी को कोई शक न हो। आरोपियों ने बताया कि वे राज के कहने पर ही शिलांग आए। राजा को जिस 'डाव' (छोटी कुल्हाड़ी) से मारा, वह ऑनलाइन गुवाहाटी से खरीदा था।

सोनम ने राजा के पर्स से ही दिए आरोपियों को रुपये

हत्या के समय सोनम ने आरोपियों को 15 हजार रुपये दिए। इस पर आरोपियों ने नाराजगी जताई तो बोली जल्द ही पूरा पैसा मिल जाएगा। यह 15 हजार रुपये भी सोनम ने राजा के पर्स में से निकालकर ही दिए थे। इसके बाद आरोपी राजा और सोनम की एक्टिवा 25 किमी दूर छोड़ आए। सोनम ने फोन तोड़कर फेंक दिए।

वायरल वीडियो मामले में भाजपा जिलाध्यक्ष पार्टी से निष्कासित, एकपक्षीय कार्रवाई का लगाया आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा। वायरल वीडियो मामले में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रांतीय नेतृत्व ने बड़ी कार्रवाई की है। गोंडा के जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। 25 मई को सोशल मीडिया पर भाजपा कार्यालय का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह एक महिला कार्यकर्ता के साथ नजर आए थे।

वहीं, कार्रवाई के बाद निष्कासित किए गए भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप खुद कैमरे के सामने आए। कहा कि हमने पहले ही कहा था कि पार्टी का जो भी निर्णय होगा वह हमें मान्य होगा। पार्टी ने एकपक्षीय कार्रवाई की है। पार्टी को इसकी जांच करानी चाहिए। फुटेज जारी करने वालों पर कार्रवाई करना चाहिए। उन्होंने कुछ नेताओं का नाम लेते हुए सीसीटीवी फुटेज वायरल करने का आरोप लगाते हुए इन लोगों को भी निष्कासित करने की मांग की है। यह वीडियो 12 अप्रैल की रात का था। इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने सामने आकर कहा था कि वायरल वीडियो उनका है। वह पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता को चक्कर आने पर सहारा दे रहे थे। महिला ने भी सामने आकर खुलकर अपनी बात कही थी। उसने जिलाध्यक्ष को अपना भाई बताते हुए गलत तरीके से वीडियो वायरल करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले की जांच मनकापुर पुलिस कर रही है।

इन सबके बीच पार्टी नेतृत्व ने भी जिलाध्यक्ष से जवाब मांगा था। इस पर 28 मई को जिलाध्यक्ष ने अपना जवाब दिया था। बीते सात मई को भाजपा जिला प्रभारी विजय बहादुर पाठक दौरे पर आए थे। उस वक्त पार्टी पदाधिकारियों ने खुलकर नाराजगी जाहिर की थी।

यही नहीं, कुछ लोगों ने तो बैठक का भी बहिष्कार किया था। इसके बाद जिला प्रभारी ने पूरी रिपोर्ट प्रांतीय नेतृत्व को सौंपी थी। बुधवार की सुबह भाजपा के प्रदेश महामंत्री व मुख्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला ने जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को पार्टी से निष्काषित कर दिया है।

परेशान फल विक्रेता ने लगाई न्याय की गुहार, पुलिस से निष्पक्ष जांच की रखी मांग

आर्यावर्त संवाददाता

संसारपुर-खीरी। थाना मैलानी क्षेत्र के ग्राम संसारपुर निवासी बाकर पुत्र साकिर ने पुलिस चौकी संसारपुर में एक प्रार्थना पत्र देकर खुद पर लगाए गए झूठे आरोपों से निजात दिलाने और निष्पक्ष जांच की मांग की है। प्रार्थी बाकर ने बताया कि कुछ समय पूर्व उसके और पड़ोसी छोटेलाल पुत्र तुला के बीच छज्जा और दरवाजा रखने को लेकर विवाद हुआ था, जो बाद में पुलिस की मध्यस्थता से सुलझा लिया गया था। हालांकि, इस मामूली विवाद के बाद से ही पड़ोसी छोटेलाल उन्हें लगातार धमकी दे रहा है कि वह झूठे मुकदमे में फंसाकर उनकी छवि समाज में खराब करेगा। बाकर के अनुसार, इसी साजिश के तहत अब छोटेलाल ने पुलिस चौकी में उनके खिलाफ एक प्रार्थना पत्र दे दिया है, जिसमें बेबुनियाद और झूठे आरोप लगाए गए हैं। इससे न केवल उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच रही है, बल्कि उनका पारिवारिक और व्यवसायिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है। 'मैं वर्षों से ईमानदारी से फल विक्रय का कार्य करता हूं। मेरा कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, न ही कभी किसी आपराधिक गतिविधि में संलिप्त रहा हूं। मुझ पर चोरी और अन्य झूठे आरोप लगाए गए हैं, जो पूरी तरह से निराधार और दुर्भावनापूर्ण हैं।' बाकर ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की गहन व निष्पक्ष जांच कर सच्चाई को उजागर किया जाए और उसके ऊपर लगे मिथ्या आरोपों से उसे मुक्ति दिलाई जाए। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि बाकर एक शांत स्वभाव और मेहनती व्यक्ति है, जिसे बेवजह बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

यहां हुई शादी....सिक्किम में हनीमून, फिर लापता हुए दंपती... 13 दिन बाद भी कौशलेंद्र और अंकिता का पता नहीं

आर्यावर्त संवाददाता

प्रतापगढ़। शादी के बाद हनीमून पर सिक्किम गए प्रतापगढ़ के नवदंपती का 13 दिन बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। हालांकि स्थानीय पुलिस और प्रशासन लगातार नवदंपती की तलाश में जुटा है, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल पाया है। उधर, बेटे कौशलेंद्र और बहू अंकिता की तलाश में सिक्किम गए पिता शेर बहादुर भी रिश्तेदारों के साथ मंगलवार शाम को घर वापस आ गए हैं। वहीं, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

यह है पूरा मामला

दरअसल, उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के उदयपुर के राहाटीकर के रहने वाले भाजपा नेता उम्मेद सिंह के भतीजे कौशलेंद्र और बहू अंकिता सिंह 24 मई को हनीमून मनाने के लिए सिक्किम गए थे। उत्तर सिक्किम के मंगन जिला के चुंगथाग इलाके में एक टूरिस्ट वाहन से घूमकर वापस गंगटोक होटल में 29 मई की रात आ रहे थे। इसी दौरान करीब 1000 फीट ऊंचाई से सैलानियों से भरा वाहन तीस्ता नदी में गिर गया था।

वाहन में सवार एक यात्री की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए, वहीं, आठ सैलानी लापता हो गए, जिसमें प्रतापगढ़ जिले के कौशलेंद्र और अंकिता भी शामिल हैं। सभी लापता लोगों की तलाश में पुलिस और प्रशासन ने अभियान चलाया हुआ है। अभी तक लापता किसी भी यात्री का पता नहीं चल पाया है।

हालांकि मौसम खराब होने के कारण बचाव अभियान में दिक्कत आई थी। लेकिन अब मौसम साफ होने पर फिर से एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और सेना गायब सैलानियों की तलाश में जुटे हैं। सोमवार को वाहन का पहिया, साइलेंसर और कपड़े मिले। इन कपड़ों में कौशलेंद्र का एक भी कपड़ा नहीं था।

कौशलेंद्र के पिता शेर बहादुर, अंकिता के भाई सौरभ सिंह, चाचा और अपने साले दीपक के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए थे। यहां कौशलेंद्र के पिता शेर बहादुर सिंह ने मानवाधिकार आयोग को पत्र लिखकर तलाशी अभियान में शामिल सदस्यों की संख्या बढ़ाने की मांग उठाई। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से सीएम योगी आदित्यनाथ से भी मदद की गुहार लगाई।

पांच मई को हुई थी दोनों की शादी

प्रतापगढ़ के सांगीपुर थाना इलाके के राहाटीकर निवासी भाजपा नेता उम्मेद सिंह के भाई शेर बहादुर सिंह के बेटे कौशलेंद्र प्रताप सिंह (29) की शादी पांच मई को पट्टी कोतवाली के धनगढ़ सराय छिवलहा के रहने वाले विजय सिंह डब्बू की बेटी अंकिता (26) के साथ हुई थी। परिजनों के मुताबिक, 24 मई को अंकिता और कौशलेंद्र हनीमून मनाने सिक्किम चले गए। अगले दिन उत्तर सिक्किम के मंगन जिले के चुंगथांग इलाके में घूमने पहुंचे। 29 मई की रात गंगटोक स्थित होटल पर लौट रहे थे।

रात लगभग 9 बजे भारी बारिश हो रही थी। इसी बीच वाहन बेकाबू हो गया और 1000 फीट नीचे तीस्ता नदी में जा गिरा। जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है और दो घायल हैं। जबकि आठ लोग लापता हैं। जिनकी तलाश सिक्किम पुलिस व सेना के जवान कर रहे हैं, लेकिन अभी तक इन लोगों की जानकारी नहीं मिल पाई है।

लापता कौशलेंद्र सिंह अपने मां-बाप की इकलौती संतान है। कौशलेंद्र दिल्ली में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। अंकिता लखनऊ के मेदांता अस्पताल में मेडिसिन विभाग में कार्यरत थे।

सोसाइटी में 45 मिनट तक परिवार के छह लोग लिफ्ट में फंसे, पुलिसकर्मियों ने दरवाजा तोड़ निकाला बाहर

आर्यावर्त संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के पी-4 स्थित सीनियर सिटीजन सोसाइटी में रविवार देर रात लिफ्ट में एक ही परिवार के छह लोग करीब 45 मिनट तक फंसे रहे। डायल-112 पर सूचना मिलते ही बीटा-2 कोतवाली क्षेत्र की पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) मौके पर पहुंची। पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने दरवाजा तोड़कर लिफ्ट में फंसे लोगों को बाहर निकाला।

सीनियर सिटीजन सोसाइटी में मेरठ निवासी मुकेश कुमार के बेटे रहते हैं। मुकेश परिवार समेत वृंदावन से दर्शन करने के बाद रविवार सुबह सोसाइटी पहुंचे थे। रविवार देर रात वह मेरठ जाने के लिए सपरिवार निकल रहे थे। दूसरी मंजिल से नीचे आने के लिए लिफ्ट में सवार हुए। उनके साथ महिलाएं और बच्चे समेत छह लोग थे। यहीं रहकर पढ़ाई करने वाले बेटे के फ्लैट में रुक गए थे। रात करीब 3:26 बजे लिफ्ट बीच रास्ते में अटक गई। अंदर छह लोग फंस गए। आरोप है कि इमरजेंसी बटन दबाने पर भी कोई नहीं आया।

उन्होंने तुरंत बेटे को फोन लगाया। फोन नहीं लगने पर वह घबरा गए। लिफ्ट में उनके साथ फंसी महिलाएं और बच्चे भी पसीने से लथपथ हो गए। बेटे का फोन नहीं लगने पर उन्होंने काफी शोर मचाया। काफी देर तक शोर मचाने के बाद भी कोई नहीं आया। इस बीच उन्होंने डायल-112 पर कॉल कर लिफ्ट में फंसे होने की जानकारी दी। पीआरवी-2554 पर तैनात कमांडर उपनिरीक्षक सूरजपाल, सब कमांडर आरक्षी राजकुमार और चालक होमगार्ड जयप्रकाश भाटी 10 मिनट में मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर रॉड की मदद से दरवाजे को तोड़ दिया। एक-एक कर सभी को बाहर निकाला गया। भीषण गर्मी की वजह से फंसे लोगों के कपड़े पसीने से लथपथ थे।

डीसीपी ट्रैफिक व डायल-112 प्रभारी लखन यादव ने बताया कि लिफ्ट में फंसे लोगों ने कई जगह कॉल करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इस कारण 112 पर संपर्क कर मदद मांगी गई। पीआरवी टीम ने पहले दरवाजा खोलने का प्रयास किया। सफलता नहीं मिलने पर लोहे की रॉड से लिफ्ट का दरवाजा तोड़कर फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। टीम की तत्परता के लिए स्वयं पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने 25 हजार का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। वहीं, पुलिस अधिकारियों ने कहा कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच की जाएगी।

सोसाइटी प्रबंधन का गैर जिम्मेदाराना रवैया आया सामने

लिफ्ट फंसने की घटना के बाद प्रबंधन की लापरवाही सामने आई है। निवासियों का आरोप है कि मेंटेनेंस शुल्क लेने के बाद भी लोगों को सुविधा नहीं दी जा रही है। आरोप है कि पीड़ित परिवार लिफ्ट में फंसे रहने के दौरान जोर-जोर से चिल्लाते रहा, लेकिन कोई भी मदद को नहीं आया। सोसाइटी के भूतल पर गार्ड तैनात नहीं था। यदि थोड़ी देर और हो जाती तो कोई अनहोनी भी हो सकती थी। अहम है कि पूर्व में इस सोसाइटी में मारपीट की भी कई घटनाएं हो चुकी है।

फरधान रेलवे क्रासिंग पर सेतु निर्माण कार्य को 30 जून की मध्यरात्रि तक आवागमन बंद

लखीमपुर-खीरी। वर्तमान में NH-730 पर स्थित गोला एवं फरधान रेलवे क्रासिंग पर सेतु का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, कार्य को कराये जाने हेतु वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से 12 जून 2025 को प्रातः 08:00 बजे से 30 जून 2025 की मध्य रात्रि तक बंद किया जा रहा है। यह जानकारी अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय खंड शुभ नारायण ने दी।

इस दौरान वाहनों के रूट डायवर्जन का विवरण इस प्रकार से है। समस्त वाहन, जो बहराइच - नानपारा से पीलीभीत-बरेली की ओर आने-जाने वालेवाहनों को जिला लखीमपुर-खीरी के NH-730 पर स्थित मनिकापुर तिराहे से होते हुये MDR-86 (लखीमपुर–मोहम्मदी मार्ग) से सिकंदराबाद चौराहे से होते हुये MDR-76 (सिकंदराबाद-गोला मार्ग)की ओर मोड़ा जायेगा,जहाँ से वाहन NH-730 गोला पर निकलेंगे।

राज्य महिला आयोग की सदस्या ने द वरडेंट स्कूल में महिलाओं को किया जागरूक

आर्यावर्त संवाददाता

पूरनपुर,पीलीभीत। द. वरडेंट पब्लिक स्कूल में आयोजित महिला जागरूकता कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या एवं दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री पुष्पा पांडेय पहुंच। उन्होने महिलाओं के अधिकारों एवं महिला सशक्तिकरण के विषय पर अपने विचार रखे।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं को शिक्षित एवं जागरूक होने की आवश्यकता है। एक शिक्षित महिला ही अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए समाज में सम्मान पूर्वक रह सकती है।महिला हिंसा, दहेज उत्पीड़न एवं भ्रूण हत्या एक सभ्य समाज के लिए कलंक है।महिलाओं को शिक्षित एवं जागरूक होकर इस कलंक को स्वंय मिटाना है।सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जाने

वाली कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने हेतु विशेष जोर दिया और कहा कि प्रत्येक स्थिति में सरकार एवं आयोग महिलाओं के साथ है। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत परिवार के दो बच्चों को शिक्षा एवं भरण पोषण हेतु 2500 रुपए महीना मिल रहा है।कार्यक्रम में स्कूल के एम. डी. असद हुसैन ने भी महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक एवं घरेलू स्थिति पर विचार व्यक्त किए।प्रधानाचार्या देवेन्द्र कौर ने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त गणमान्य अतिथियों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

इसलिए साजिश में शामिल हुआ था आकाश राजपूत, सोनम ने दिया था ये सामान ; चौंकाने वाला खुलासा

आर्यावर्त संवाददाता

ललितपुर। हाई प्रोफाइल राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में शिलांग पुलिस ने कई खुलासे किए हैं। पूछताछ के दौरान यह मालूम चला कि पैसों के लालच में आकर आकाश राजपूत इस हत्याकांड में शामिल होने के लिए राजी हुआ। हत्या की सुपारी के लिए दिए गए चार लाख रुपये में से उसे भी पचास हजार रुपये दिए गए थे। जहां से राजा का शव बरामद हुआ उसके आसपास के सीसीटीवी में भी आकाश अपने साथियों के साथ कैद हो गया था। पुलिस ने शव के पास से जो रेनकोट बरामद किया था, वह आकाश का निकला। यह रेनकोट सोनम ने ही आकाश को दिया था।

पुलिस का कहना है कि हत्या के समय आकाश एक दूसरी स्कूटी से वहां मौजूद था। उसे आसपास निगरानी करने का काम सौंपा गया था। सोमवार आधी रात को ललितपुर

के चौकी गांव से शिलांग पुलिस आकाश राजपूत को हिरासत में लेकर गई थी। शिलांग पुलिस ने यहां भी उससे काफी देर तक पूछताछ की थी। पूछताछ के दौरान पुलिस ने उससे सोनम के बारे में भी पूछा था लेकिन, उसकी जानकारी होने से आकाश ने इन्कार कर दिया था। इसके बाद करीब एक घंटे तक पुलिस ने उसके घर की तलाशी भी ली थी। यहां से पुलिस को कुछ नहीं मिला। इसके बाद पुलिस आकाश को लेकर अपने साथ गई। आकाश राजपूत के पकड़े जाने के बाद दादी भरत रानी ने कहा कि गलत चीज नहीं देखी जाती। चाहे लड़का हो या लड़की, गलत हो तो गोली मार दो। लेकिन, उसका बच्चा गलत नहीं है। उसे फंसाया जा रहा है। गांव के लोगों ने भी आकाश को शांत स्वभाव का बताया।

सोनम और राज के बीच पांच महीने से था प्रेम-प्रसंग

राजा रघुवंशी और सोनम के केस में कई बड़े खुलासे हुए हैं। इंदौर पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने जो कहानी बताई है, वह बेहद खौफनाक है। सोनम और राज के बीच पांच महीने से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। राज ने कबूल किया कि सोनम से अफेयर चार से पांच माह का था। पिता के हार्ट पेशेंट होने से सोनम लव मैरिज नहीं कर पा रही थी। पिता समाज में शादी करना चाहते थे इसलिए उसने राजा से शादी को हां कर ली थी।

सोनम ने राज से कहा था- जब मैं विधवा हो जाऊंगी, तब मुझसे शादी कर लेना

सोनम ने पहले ही तय कर लिया था कि शादी के बाद राजा को मारकर राज के साथ रहने लगेगी। सोनम ने राज से कहा था कि जब मैं विधवा हो जाऊंगी, फिर तुम मुझसे शादी कर लेना। तब मेरे परिवार वाले भी हमारी शादी के लिए मान जाएंगे। राजा और सोनम की 11 मई को शादी हुई। दोनों के परिवार बहुत खुश थे।

सोनम भी परिवार में घुल मिल गई और कभी अपनी साजिश का शक नहीं होने दिया। 16 मई को सुपर कॉरिडोर के कैफे में राजा की हत्या की साजिश रची गई। प्रेमी राज ने दोस्त विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को साथ में लिया। उसी रात छह घंटे तक फोन पर सोनम को हत्या की पूरी योजना समझाई गई। हत्या के पहले राज ने आरोपियों को 50 हजार, एक कीपैड, एक एंड्रॉइड मोबाइल और नई सिम दिलाई। ये सब चीजें आरोपियों ने सोनम को दे दी। इसी नंबर और फोन से सोनम शिलांग जाने के बाद तीनों के संपर्क में रही थी। प्रेमी राज को जब सोनम ने 22 मई को शिलांग के लिए निकलने की बात कही तो राज ने आरोपियों के टिकट कराए, लेकिन ऐनवक्त पर खुद ने जाने से मना कर दिया। राज इंदौर से ही तीनों को निर्देश देता रहा। वह यहां पर राजा के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुआ ताकि किसी को कोई शक न हो। आरोपियों ने बताया कि वे राज के कहने पर ही शिलांग आए। राजा को जिस 'डाव' (छोटी कुल्हाड़ी) से मारा, वह ऑनलाइन गुवाहाटी से खरीदा था।

सोनम ने राजा के पर्स से ही दिए आरोपियों को रुपये

हत्या के समय सोनम ने आरोपियों को 15 हजार रुपये दिए। इस पर आरोपियों ने नाराजगी जताई तो बोली जल्द ही पूरा पैसा मिल जाएगा। यह 15 हजार रुपये भी सोनम ने राजा के पर्स में से निकालकर ही दिए थे। इसके बाद आरोपी राजा और सोनम की एक्टिवा 25 किमी दूर छोड़ आए। सोनम ने फोन तोड़कर फेंक दिए।

अपरा एकादशी व्रत वाले दिन की हत्या

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि 23 मई की दोपहर 1.30 बजे राजा की हत्या की गई। 23 मई को सोनम ने अपरा एकादशी व्रत किया था। यह बात उसने फोन पर अपनी सास को भी बताई थी। मान्यता है कि यह व्रत पापों से मुक्ति और मनोकामना पूर्ण करने के लिए किया जाता है, लेकिन सोनम ने इसी दिन हत्या को अंजाम दिया।

बच्चों को सनस्क्रीन लगानी चाहिए या नहीं?

हम सभी अपनी स्किन का बहुत ख्याल रखते हैं। इसके लिए महंगे से महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का उपयोग करते हैं और घरेलू नुस्खे अपनाते हैं। इसी में एसपीएफ भी शामिल है। तेज धूप में जाते समय सनस्क्रीन भी जरूर लगाने की सलाह दी जाती है। सूरज की यूवी रेज से बचने के लिए सनस्क्रीन का लगाना जरूरी होता है। इसके साथ ही इसे लगाने से स्किन को ग्लोइंग बनाने और हाइड्रेट रखने में मदद मिलती है।

बड़ों के साथ ही बच्चों के लिए भी सनस्क्रीन जरूरी मानी जाती है। आजकल मार्केट में बच्चों के लिए भी एसपीएफ क्रीम अवेलेबल है। जिसका उपयोग हर किसी को उनकी स्किन की जरूरत के मुताबिक करना चाहिए। लेकिन क्या बच्चों के लिए सनस्क्रीन लगाना सही है या नहीं।

दिल्ली के श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट में सीनियर कंसल्टेंट, डर्मेटोलॉजिस्ट, डॉक्टर विजय सिंघल का कहना है कि, बच्चों को भी सनस्क्रीन लगाना चाहिए, खासकर जब वह धूप में ज्यादा समय बिताते हैं। बच्चों की स्किन बहुत नाजुक होती है और सूरज की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणें उनकी स्किन को जल्दी नुकसान पहुंचा सकती हैं। छह महीने से बड़े बच्चों के लिए सनस्क्रीन सुरक्षित मानी जाती है, लेकिन छह महीने से छोटे बच्चों को धूप से दूर रखना ही बेहतर होता है।

जब भी बच्चे बाहर खेलने या घूमने जा रहे हों, तो उनकी स्किन पर कम से कम एसपीएफ 30 वाला ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सनस्क्रीन जरूर लगाएं जो यूवीए और यूवीबी दोनों तरह की किरणों से बचाव कर सके। सनस्क्रीन लगाने से पहले यह देखें कि वह बच्चों के लिए सुरक्षित हो, उसमें ऑक्सीबेंजोन जैसे हानिकारक केमिकल न हो। मिनरल बेस्ड सनस्क्रीन जिसमें जिंक ऑक्साइड या टाइटेनियम डाइऑक्साइड हो, यह बच्चों के लिए बेहतर माने जाते हैं। सनस्क्रीन लगाने के 15 से 20 मिनट बाद ही बच्चों को धूप में निकलने दें और हर 2 से 3 घंटे में या पानी में खेलने के बाद फिर से सनस्क्रीन लगाएं।

इसके अलावा बच्चों को धूप से बचाने के लिए हैट, सनग्लासेस और फुल स्लीव्स के हल्के कपड़े पहनाएं। स्कूल से वापिस लाते समय आप बच्चों को धूप से बचाने के लिए छतरी का उपयोग कर सकते हैं। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक की तेज धूप में बच्चे को बेवजह या खेलने के लिए घर से ज्यादा बाहर न जानें दे, क्योंकि इस समय सूरज की किरणें सबसे ज्यादा तेज होती हैं। इससे स्किन के साथ सेहत पर भी बुरा प्रभाव पड़ सकता है। अगर बच्चों को त्वचा में एलर्जी या रैशेज होते हैं, तो सनस्क्रीन का पैच टेस्ट पहले हाथ पर करें या फिर डॉक्टर से सलाह लें।

फादर्स डे पर अपने पापा को इस तरह दें सरप्राइज, दिन बन जाएगा खास

बच्चे के लिए सबसे जरूरी रिश्ता उसके पेरेंट्स का होता है। वह हमारा पालन-पोषण कर अच्छा अच्छा व्यक्ति बनाने में अपना सारा जीवन लगाते हैं। लेकिन जैसे-जैसे हम बढ़े होने लगते हैं और अपने काम में बिजी हो जाता है। ऐसे में पेरेंट्स को समय कम दे पाते हैं। लेकिन हमें अपने पेरेंट्स को समय देना चाहिए और उनसे बात करनी चाहिए। वहीं आप उनको सरप्राइज भी दे सकते हैं। उनकी वेडिंग एनिवर्सरी, बर्थडे के अलावा आप अपने मदर्स डे और फादर्स डे पर सरप्राइज दे सकते हैं।

पापा अक्सर चुपचाप अपने कंधों पर जिम्मेदारियों का बोझ उठाते हैं और अपने बच्चों के लिए हर मुमकिन खुशी जुटाते हैं। ऐसे में फादर्स डे को उनके लिए खास और यादगार बना सकते हैं। फादर्स डे हर साल जून महीने के तीसरे रविवार को मनाया जाता है। यह पिता के प्यार, त्याग और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देने का एक खास मौका होता है। इस दिन पर आप उन्हें इस तरह सरप्राइज दे सकते हैं।

एक स्पेशल वीडियो

अगर आप अपने परिवार से दूर किसी दूसरी जगह पर रहते हैं, तो आप पापा के लिए एक स्पेशल वीडियो बनाकर भेज सकते हैं। आप अपनी और पापा की तस्वीरें से एक वीडियो बना सकते हैं। इसमें पीछे को म्यूजिक या पापा के लिए कुछ लाइन बोलकर एड कर सकते हैं। आप उन्हें ये वीडियो शेयर कर सकते हैं। जिसे देखकर उन्हें अच्छा लगेगा।

पसंदीदा खाना बनाएं

अपने पापा की पसंद जाने और उनके लिए कुछ स्वादिष्ट खाने का खुद बनाएं। जैसे छोले भटूरे, मटर पनीर, या फिर कुछ मीठा जैसे गुलाब जामुन या जो भी आपके पापा को पसंद हो, तो वही खाना घर पर खुद बनाएं या मम्मी के साथ मिलकर तैयार करें। फिर फैमिली डिनर के तैयारी करें और टेबल को डेकोरेट कर उन्हें बुलाएं।

घूमने के लिए जाएं

बचपन में मम्मी-पापा बच्चों को घुमाने के लिए लेकर जाते हैं। लेकिन अब आप पेरेंट्स को घुमाने के लिए लेकर जाएं। रविवार को ज्यादातर ऑफिस की छुट्टी होती है। ऐसे में आप एक दिन के लिए कहां आसपास घूमने के लिए लेकर जा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप ज्यादा समय निकाल सकते हैं, तो फैमिली ट्रिप भी प्लान कर सकते हैं। जहां अपने पेरेंट्स को पूरा समय दें।

गिफ्ट दें

अपने पापा की पसंद और जरूरतों के मुताबिक आप उन्हें गिफ्ट दें। एक किताब, घड़ी, फोन, या फिर कुछ और उनकी जरूरत की चीज आप उन्हें गिफ्ट कर सकते हैं। चीज बड़ी हो या फिर छोटी अगर बच्चों जो भी पेरेंट्स को दें वह उन्हें हमेशा पसंद आता है।

अब सिर्फ दो चीजों से घर पर बनाएं टोफू, जानिए आसान तरीका

आजकल लोग फिटनेस को लेकर पहले से ज्यादा सजग हो गए हैं। ऐसे में वो अपनी डाइट में भी हेल्दी चीजों को जोड़ने की कोशिश करते है। पहले तो लोग सिर्फ वेजिटेरिशन और नॉनवेजिटेरियन होते थे। लेकिन अब तक कुछ लोग वीगन हैं। वीगन यानी जो लोग पशु उत्पाद से बनी चीजें नहीं खाते हैं, जिसे डेरी प्रोडक्ट भी शामिल है। वीगन लोग प्रोटीन के लिए ना तो नॉनवेज खा सकते हैं और ना ही पनीर या किसी डेरी प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते है। ऐसे में उनके लिए प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत होता है टोफू।

टोफू, जिसे 'सोया पनीर' भी कहा जाता है। इसे सोयाबीन से बनाया जाता है और इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। लेकिन अक्सर लोग इसे बाजार से खरीदते हैं, जो महंगा भी होता है और कई बार प्रिजर्वेटिव्स से भरा भी। ऐसे कितना अच्छा हो अगर हम इसे घर पर ही बना लें। जी हां, आप सिर्फ 2 चीजों की मदद से घर पर ही बाजार जैसा टोफू बना सकते हैं।

टोफू बनाने के लिए जरूरी इंग्रिडियंट्स

सोयाबीन 1 कप (भिगोया हुआ) नींबू का रस या सफेद सिरका 2 से 3 बड़े चम्मच पानी आवश्यकतानुसार

टोफू बनाने का तरीका

स्टेप 1: सोयाबीन का दूध बनाना

सबसे पहले 1 कप सोयाबीन को रातभर या कम से कम 8 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। जब दाने फूल जाएं, तो उन्हें अच्छे से धो लें। अब भीगे हुए सोयाबीन को मिक्सर में थोड़ा पानी डालकर पीस लें। इस पेस्ट को लगभग 3 कप पानी के साथ मिलाकर अच्छे से उबालें। जब दूध जैसा मिश्रण बन जाए, तो उसे मलमल के कपड़े या छलनी से छान लें। आपका सोया मिल्क तैयार है।

स्टेप 2: दूध को फाड़ना

तैयार सोया दूध को धीमी आंच पर गर्म करें। जब वह हल्का उबलने लगे, तो उसमें धीरे-धीरे नींबू का रस या सिरका मिलाएं। दूध कुछ ही मिनटों में फटने लगेगा और पानी (छाछ) अलग होने लगेगा।

स्टेप 3: टोफू को जमाना

अब इस फटे दूध को एक मलमल के कपड़े में छान लें और ऊपर से ठंडा पानी डालकर नींबू की खटास निकाल दें। कपड़े को कसकर बांधें और ऊपर कोई भारी चीज़ (जैसे बेलन या किताब) रख दें ताकि पानी अच्छे से निकल जाए। इसे 20-30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। कपड़ा खोलते ही आपके हाथ में होगा ताज़ा, सॉफ्ट और घर का बना टोफू। आप इसे सलाद, सब्जी, स्टिर फ्राय या ग्रिल में इस्तेमाल कर सकते हैं।

टोफू से मिलते हैं गजब के फायदे

टोफू सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह प्रोटीन से भरपूर होता है, जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती है और मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसमें कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स भी पाए जाते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते है। टोफू में मौजूद हेल्दी फैट्स दिल की सेहत के लिए अच्छे होते हैं और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल में रखते हैं। इसके अलावा, इसमें आइसोफ्लावोन नाम का एंटीऑक्सीडेंट होता है जो शरीर को कैंसर जैसी बीमारियों से भी बचाने में मदद करता है। टोफू वजन कम करने वालों के लिए भी अच्छा ऑप्शन है, क्योंकि यह कम कैलोरी वाला और पेट भरने वाला होता है। साथ ही यह दूध से नहीं बनता, इसलिए लैक्टोज इनटॉलरेंट और वेगन लोगों के लिए भी एक बेहतरीन और सेफ ऑप्शन है।

आयुर्वेद के मुताबिक एक साथ भूलकर भी नहीं खानी चाहिए ये चीजें

आयुर्वेद एक्सपर्ट किरण गुप्ता जी के मुताबिक, गलत फूड कॉम्बिनेशन को खाने से शरीर में टॉक्सिंस उत्पन्न हो सकते हैं जो पाचन क्रिया को बिगाड़ते हैं और कई तरह की बीमारियों का भी कारण बन सकते हैं। ऐसे में आपको पता होना चाहिए कि किन चीजों को एक साथ भूलकर भी नहीं खाना चाहिए। ताकि सेहत पर कोई गलत असर न पड़े।

आयुर्वेद एक्सपर्ट किरण गुप्ता जी के मुताबिक, गलत फूड कॉम्बिनेशन को खाने से शरीर में टॉक्सिंस उत्पन्न हो सकते हैं जो पाचन क्रिया को बिगाड़ते हैं और कई तरह की बीमारियों का भी कारण बन सकते हैं। ऐसे में आपको पता होना चाहिए कि किन चीजों को एक साथ भूलकर भी नहीं खाना चाहिए। ताकि सेहत पर कोई गलत असर न पड़े।

विरुद्ध आहार में दूध और नमक सबसे पहला नाम है। इन्हें एक साथ नहीं खाना चाहिए। क्योंकि दूध ठंडा और मीठे स्वभाव का होता है, जबकि नमक गर्म और तीखा होता है। इनका संयोजन ब्लड प्यूरिफिकेशन और त्वचा पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। इससे एलर्जी, त्वचा रोग (फोड़े-फुंसी), पाचन गड़बड़ी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

विरुद्ध आहार में दूध और नमक सबसे पहला नाम है। इन्हें एक साथ नहीं खाना चाहिए। क्योंकि दूध ठंडा और मीठे स्वभाव का होता है, जबकि नमक गर्म और तीखा होता है। इनका संयोजन ब्लड प्यूरिफिकेशन और त्वचा पर बुरा प्रभाव डाल सकता है। इससे एलर्जी, त्वचा रोग (फोड़े-फुंसी), पाचन गड़बड़ी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

दूध और मछली का सेवन भी आयुर्वेद में सख्त मना किया गया है। दोनों का स्वाभाव अलग-अलग होता है । जैसे मछली गर्म तासीर वाली होती है और दूध ठंडी तासीर वाला। ऐसे में इनका साथ में सेवन करने पर यह शरीर में जहर तक पैदा कर सकता है। इससे त्वचा रोग, एलर्जी, एक्ज़िमा तक की शिकायत हो सकती है।

दूध और मछली का सेवन भी आयुर्वेद में सख्त मना किया गया है। दोनों का स्वाभाव अलग-अलग होता है । जैसे मछली गर्म तासीर वाली होती है और दूध ठंडी तासीर वाला। ऐसे में इनका साथ में सेवन करने पर यह शरीर में जहर तक पैदा कर सकता है। इससे त्वचा रोग, एलर्जी, एक्ज़िमा तक की शिकायत हो सकती है।

वैसे तो कई लोग फ्रूट स्मूदी और शेख बना कर पीते हैं लेकिन आयुर्वेद में फल और दूध का सेवन एक साथ नहीं करना चाहिए। खासतौर पर खट्टे फलों का सेवन तो बिल्कुल नहीं करना चाहिए। खट्टे फल दूध को फाड़ सकते हैं और पाचन में समस्या पैदा करते हैं, जिससे गैस, अपच, एसिडिटी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। हालांकि, अगर सही तरीके से लिया जाए तो मीठे फल जैसे आम या केले का मिल्कशेक बना सकते हैं।

वैसे तो कई लोग फ्रूट स्मूदी और शेख बना कर पीते हैं लेकिन आयुर्वेद में फल और दूध का सेवन एक साथ नहीं करना चाहिए। खासतौर पर खट्टे फलों का सेवन तो बिल्कुल नहीं करना चाहिए। खट्टे फल दूध को फाड़ सकते हैं और पाचन में समस्या पैदा करते हैं, जिससे गैस, अपच, एसिडिटी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। हालांकि, अगर सही तरीके से लिया जाए तो मीठे फल जैसे आम या केले का मिल्कशेक बना सकते हैं।

अक्सर कुछ लोग पेट की कम करने के लिए गर्म पानी में शहद मिलाकर पीते हैं, जो एक विरुद्ध आहार है। जी हां, आयुर्वेद में गर्म पानी/चाय/दूध के साथ शहद सेवन मना किया गया है। आयुर्वेद के अनुसार, शहद को कभी भी गर्म नहीं करना चाहिए। गर्म करने पर यह जहर समान बन जाता है, जो पाचन तंत्र पर असर डालता है।

अक्सर कुछ लोग पेट की कम करने के लिए गर्म पानी में शहद मिलाकर पीते हैं, जो एक विरुद्ध आहार है। जी हां, आयुर्वेद में गर्म पानी/चाय/दूध के साथ शहद सेवन मना किया गया है। आयुर्वेद के अनुसार, शहद को कभी भी गर्म नहीं करना चाहिए। गर्म करने पर यह जहर समान बन जाता है, जो पाचन तंत्र पर असर डालता है।

शहद को घी के साथ भी नहीं खाना चाहिए। अगर घी और शहद को बराबर मात्रा में मिलाकर खाया जाए, तो यह शरीर के लिए जहरीला हो सकता है। जिससे टॉक्सिन बनना और शरीर में असंतुलन बन सकता है। ऐसे में इन विरुद्ध आहार का सेवन करने से बचें।

शहद को घी के साथ भी नहीं खाना चाहिए। अगर घी और शहद को बराबर मात्रा में मिलाकर खाया जाए, तो यह शरीर के लिए जहरीला हो सकता है। जिससे टॉक्सिन बनना और शरीर में असंतुलन बन सकता है। ऐसे में इन विरुद्ध आहार का सेवन करने से बचें।

सस्ती होंगी खाने-पीने की चीजें, नीचे आएगी महंगाई, आरबीआई ने जताया ये अनुमान

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक के बाद देश में खाने-पीने की चीजों के दाम नियंत्रण में रहने और महंगाई के और नीचे आने का अनुमान जताया है। इसके बावजूद देश की जीडीपी ग्रोथ से कोई खिलवाड़ नहीं होने वाला है।

वैश्विक स्तर पर अस्थिर हालातों के बीच भारत दुनिया की सबसे तेजी से ग्रोथ करने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इस लक्ष्य को फोकस में रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने शुक्रवार को जब मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक के फैसलों की जानकारी दी, तो देश में महंगाई के और नीचे आने, साथ ही डोमेस्टिक जीडीपी ग्रोथ को मजबूत बनाने का अनुमान जताया।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने अपने बयान में कहा कि नीति के तौर पर कीमत नियंत्रण और जीडीपी ग्रोथ के बीच कोई टसल नहीं। मानसून की स्थिति इस साल ठीक रहने का अनुमान है, जिससे कीमतें नियंत्रण में रहेंगी। वहीं वैश्विक हालात नाजुक हैं, इसलिए डोमेस्टिक जीडीपी ग्रोथ पर भी फोकस बना हुआ है। भारत में राजनीतिक स्थिरता के साथ-साथ प्राइस और ग्रोथ स्टेबिलिटी बनी हुई है।

घटा दिया महंगाई का अनुमान

भारतीय रिजर्व बैंक का कहना है कि वित्त वर्ष 2025-26 में देश के अंदर रिटेल महंगाई में और गिरावट आएगी। ये 3.7 प्रतिशत के स्तर पर रह सकती है, जबकि पहले ये अनुमान 4 प्रतिशत था। भारत सरकार ने भी आरबीआई को महंगाई को 4 प्रतिशत के दायरे में रखने का लक्ष्य दिया है। वहीं केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए देश की जीडीपी ग्रोथ के स्तर को 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा है। जीडीपी ग्रोथ को लेकर हालात पहले ही बेहतर बने हुए हैं। जनवरी-मार्च 2025 की तिमाही में देश की जीडीपी ग्रोथ 7.4 प्रतिशत थी।

भारत की ताकत दिखाते आंकड़े

गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, "काफी तेजी से रेपो दर में एक प्रतिशत की कटौती के बाद अब मौद्रिक नीति में ग्रोथ को सपोर्ट करने सीमित गुंजाइश है। वैश्विक स्तर पर कमजोर इकोनॉमिक आउटलुक के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है ये निवेशकों को अपार अवसर प्रदान करती है। देश में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (Net FDI)में भले गिरावट आई है, इसके बावजूद भारत आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 691.5 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर पीर है, जो 11 महीने से अधिक की आयात की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।"

इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में चालू खाते का घाटा (कैड) कम रहा है। वहीं बैंको के नकद आरक्षित अनुपात (CRR) को एक प्रतिशत घटाने का फैसला किया गया है। इससे बैंकों के पास 2.5 लाख करोड़ रुपये की नकदी बढ़ेगी, जो ग्रोथ बढ़ाने के काम आएगी।

रेपो रेट में तीसरी बार कटौती

महंगाई के नीचे आने और ग्रोथ के बने रहने के असर को देखते हुए ही आरबीआई ने जून की मौद्रिक नीति का ऐलान करते हुए रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत की कटौती कर दी। रेपो रेट में ये लगातार तीसरी कटौती है और ये अब 5.5 प्रतिशत के स्तर पर आ गई है। इससे पहले फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान भी रेपो रेट में 0.25-0.25 प्रतिशत की कटौती की गई थी और इसे 6.50 प्रतिशत से 6 प्रतिशत पर लाया गया था।

आपूर्ति अटकने से प्रभावित होगा यात्री वाहनों का उत्पादन, कंपनियों के पास इतना है भंडार

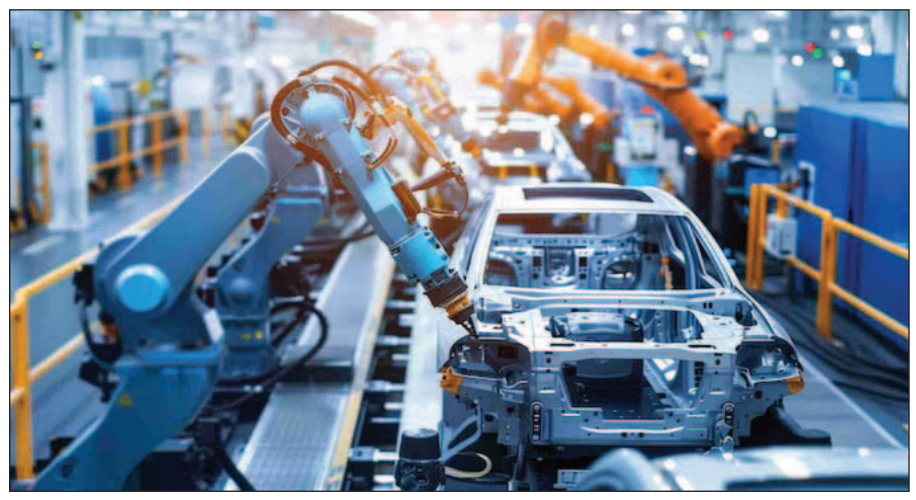

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन से रेयर अर्थ मैग्नेट की आपूर्ति में एक महीने से अधिक समय तक व्यवधान रहने से इलेक्ट्रिक सहित यात्री वाहनों के उत्पादन पर असर पड़ सकता है। इससे घरेलू वाहन उद्योग की रफ्तार धीमी हो सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकांश वाहन निर्माताओं के पास वर्तमान में चार से छह सप्ताह का ही भंडार है। ऐसे में लंबे समय तक मैग्नेट की आपूर्ति में देरी से कंपनियों को ईवी मॉडलों के उत्पादन को जुलाई से टालना पड़ सकता है। अगर आपूर्ति संबंधी बाधाएं लंबे समय तक बनी रहीं तो दोपहिया और आईसीई यात्री वाहनों पर इसका ज्यादा प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही, कम लागत वाला यह महत्वपूर्ण मैग्नेट घरेलू वाहन क्षेत्र के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। रेयर अर्थ मैग्नेट आपूर्ति में कमी ऐसे समय आई है, जब वाहन क्षेत्र ईवी को गति देने की तैयारी में है। कंपनियों की आने वाले समय में एक दर्जन से अधिक नए ईवी मॉडल लॉन्च करने की योजना है।

चीनी अधिकारियों ने रोक रखी है मंजूरी

भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 540 टन मैग्नेट आयात किया था। इसमें से 80 फीसदी से अधिक चीन से आया था। मई के अंत तक भारतीय कंपनियों के लगभग 30 आयात अनुरोधों को भारत सरकार ने मंजूर किया था। लेकिन, अभी तक चीनी अधिकारियों ने इस संबंध में किसी को भी अनुमति नहीं दी है।

कंपनियों को करना होगा पुनर्मूल्यांकन

क्रिसिल रेटिंग्स की निदेशक पूनम उपाध्याय ने कहा, मैग्नेट की यह कमी वाहन निर्माताओं को आपूर्ति श्रृंखला रणनीतियों के पुनर्मूल्यांकन के लिए मजबूर कर रही है। वाहन की लागत में 5 फीसदी से भी कम योगदान देने के बावजूद यह मैग्नेट ईवी मोटर और इलेक्ट्रिक स्टीयरिंग सिस्टम के लिए जरूरी हैं। संभावित समस्याओं से निपटने के लिए वाहन निर्माता कंपनियां वियतनाम, इंडोनेशिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका जैसे देशों में वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं के साथ सक्रिय रूप से संपर्क कर रही हैं।

'लावारिस पड़ी राशि जल्दी वापस करें बैंक, केवाईसी का हो सरलीकरण', वित्त मंत्री ने दिए निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। नियामकों और विभागों को लावारिस राशि की वापसी में तेजी लाने और केवाईसी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की 29वीं बैठक में इन बातों पर जोर दिया। यह आदेश नागरिकों के हितों को ध्यान में रखकर दिया गया है।

केवाईसी में सरलीकरण और डिजिटलीकरण की जरूरत

वित्त मंत्रालय ने परिषद से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि नागरिकों को वित्तीय क्षेत्र में केवाईसी प्रक्रियाओं का सहज अनुभव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवाईसी मानदंडों में सरलीकरण और डिजिटलीकरण की जरूरत है। साथ ही, भारतीय प्रतिभूति बाजार में पीआईओ और ओसीआई सहित अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए डिजिटल ऑनबोर्डिंग की सुविधा होनी चाहिए।

लावारिस राशि के रिफंड के लिए होगा जिला-स्तरीय शिविर का आयोजन

वित्त मंत्री ने नियामकों और विभागों से विशेष जिला-स्तरीय शिविर आयोजित करके लावारिस राशि के सही मालिकों को रिफंड करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। इसमें कहा गया है कि यह अभियान आरबीआई, सेबी, एमसीए, पीएफआरडीए और आईआरडीए के साथ-साथ बैंकों, पेंशन एजेंसियों, बीमा कंपनियों आदि के समन्वय से चलाया जाएगा।

बैंकों के पास 78,213 करोड़ रुपये लावारिस राशि

आरबीआई की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2024 के अंत में बैंकों के पास लावारिस जमा राशि में साल दर साल 26 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। यह 78,213 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं मार्च 2023 के अंत में जमाकर्ता शिक्षा और जागरूकता कोष की राशि 62,225 करोड़ रुपये थी।

वैश्विक अस्थिरता से निपटने लक्ष्य से हुई एफएसडीसी की बैठक

एफएसडीसी ने वैश्विक वित्तीय अस्थिरता से निपटने के लिए भारत की तैयारियों के विषय में चर्चा की। बैठक के दौरान, परिषद ने घरेलू और वैश्विक मैक्रो-वित्तीय स्थिति से उभरते रुझानों पर विचार-विमर्श किया। साथ ही, सतर्क रहने की जरूरत पर जोर दिया। इसमें कहा गया है कि सदस्यों ने वित्तीय क्षेत्र के व्यापक विकास के लिए अंतर-नियामक समन्वय को मजबूत करने का निर्णय लिया।

'स्विट्जरलैंड की तकनीक से भारत को फायदा मिलेगा', पीयूष गोयल बोले- एफटीए पर कई देशों के साथ चल रही बातचीत

बर्न। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल स्विट्जरलैंड दौरे पर हैं। भारत और स्विट्जरलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हाल ही में मुहर लगी है और सितंबर से यह समझौता लागू हो जाएगा। इसी को लेकर बात करने के लिए पीयूष गोयल स्विट्जरलैंड में हैं। गोयल ने समझौते को लेकर कहा कि इससे दोनों देशों को फायदा होगा और भारत, स्विट्जरलैंड का विश्वसनीय सहयोगी बनकर उभरेगा।

कई क्षेत्रों में बढ़ेगा सहयोग

गोयल ने कहा है कि 'स्विट्जरलैंड में 100 अरब डॉलर का निवेश आने की उम्मीद है। आज स्विट्जरलैंड की 1500 से ज्यादा कंपनियां रिसर्च, प्रीसिशन, मैन्युफैक्चरिंग और इंजीनियरिंग के काम में लगी हुई हैं। इन कंपनियों को उपकरण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।' गोयल ने कहा कि 'मेरी यहां कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई, जो काफी अच्छी रही। दोनों देशों में कई क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं हैं, जिनमें अंतरिक्ष, इंजीनियरिंग और खाद्य प्रसंस्करण और कृषि जैसे क्षेत्र शामिल हैं। भारत को स्विट्जरलैंड की तकनीक से फायदा मिल सकता है। हमारे पास दक्ष लोग हैं हमारे यहां श्रम सस्ता भी है। भारत स्विट्जरलैंड का विश्वसनीय सहयोगी बनेगा।'

कई देशों के साथ एफटीए पर हो रही बात

पीयूष गोयल ने बताया कि 'भारत की कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत हो रही है। यूरोपीय संघ के साथ हमारी मंत्री स्तर की तीन बैठकें हो चुकी हैं और जल्द ही मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति बनने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के साथ भी जल्द बातचीत पूरी हो सकती हैं। अमेरिका के साथ भी चर्चा चल रही है और सितंबर 2025 तक इसके होने की उम्मीद है। पेरू और चिली के साथ भी बात चल रही है।'

स्विट्जरलैंड की आर्थिक मामलों की मंत्री हेलेना एर्टीडा से सवाल किया गया कि क्या वे भारत को चीन के विकल्प के तौर पर देखती हैं? इस पर उन्होंने कहा कि 'हम दुनिया में सभी जगह व्यापार करना चाहते हैं। हालांकि हमारी प्राथमिकता भारत है क्योंकि भारत के एक लोकतंत्र है और भारत तेजी से विकास कर रहा है। साथ ही भारत में बड़ा उपभोक्ता बाजार है। इसलिए हमारी रुचि भारत में ज्यादा है। हमें भारत की क्षमताओं में पूरा विश्वास है।'

इस्राइली नौसेना ने पहली बार यमन में किया हमला, हूतियों की सप्लाई चेन काटने की कोशिश

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली नौसेना ने पहली बार यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमला किया। यह हमला यमन के पोत शहर होदेइदा में किया गया। इससे पहले मंगलवार की सुबह इस्राइली वायुसेना ने भी होदेइदा में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे। अब नौसेना द्वारा भी होदेइदा को निशाना बनाया गया। होदेइदा शहर पर हूतियों का कब्जा है और माना जाता है कि यमन में राशन और अन्य जरूरी सामान की सप्लाई के लिए होदेइदा काफी अहम है। आरोप है कि होदेइदा से ही हूतियों को हथियारों की सप्लाई होती है। ऐसे में इस्राइली नौसेना के हमले में हूतियों की सप्लाई चेन काटने की कोशिश की गई।

हमले में होदेइदा को काफी नुकसान हुआ है। होदेइदा से होने वाली हथियारों की कथित सप्लाई संयुक्त राष्ट्र की पकड़ में भी नहीं आ पा रही थी। मंगलवार सुबह को हूतियों ने भी एक बार फिर इस्राइल पर मिसाइल हमला किया था। हालांकि इस्राइल के एयर डिफेंस ने मिसाइल को हवा में ही तबाह कर दिया। इससे पहले अप्रैल में अमेरिका ने भी यमन के हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमले किए थे, जिनमें 74 लोग मारे गए थे। अब इस्राइल द्वारा हूतियों पर हमले किए जा रहे हैं। इस्राइल ने हूतियों को चेतावनी भी दी है कि अगर वे आगे भी इस्राइल पर हमले जारी रखते हैं तो इस्राइल द्वारा फिर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। इस्राइली रक्षा मंत्री ने यमन का हवाई और समुद्री तौर पर ब्लॉक करने की धमकी दी।

भूमध्य सागर में तैनात है इस्राइली नौसेना

इस्राइली सेना ने बताया कि मिसाइल नौकाओं से यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमला किया गया। इस्राइली नौसेना में 9000 से ज्यादा जवान हैं और 7 अक्तूबर के हमले के बाद अधिकतर नौसेना भूमध्य सागर इलाके में तैनात है। इस्राइली सेना ने बयान जारी कर कहा कि होदेइदा में हमले बंदरगाह के सैन्य इस्तेमाल को रोकना है।

लॉस एंजिलिस हिंसा पर भड़के ट्रंप, बोले- हम इस शहर को आजाद कराकर रहेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैलिफोर्निया का लॉस एंजिलिस शहर इन दिनों हिंसा की चपेट में है। नेशनल गार्ड्स की तैनाती के बावजूद हिंसा काबू में नहीं आ रही है। मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति सेना की 250वें वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए। इस दौरान राष्ट्रपति ट्रंप लॉस एंजिलिस के प्रदर्शनकारियों पर जमकर भड़के और उन्होंने प्रदर्शनकारियों को जानवर और विदेशी दुश्मन तक कह दिया। साथ ही ट्रंप ने लॉस एंजिलिस में सेना तैनाती के अपने फैसले का बचाव किया और लॉस एंजिलिस को आजाद करने की बात कही।

राष्ट्रपति ट्रंप ने लॉस एंजिलिस को कचरे का ढेर कहा

राष्ट्रपति ट्रंप ने लॉस एंजिलिस को कचरे का ढेर कहा और कहा कि लॉस एंजिलिस पर अपराधियों का कब्जा है। उन्होंने कहा कि संघीय सरकार हिंसा को खत्म करने और कानून व्यवस्था कायम करने के लिए हर कदम उठाएगी। ट्रंप ने कहा कि 'हम लॉस एंजिलिस को आजाद कराएंगे और इसे फिर से साफ और सुरक्षित बनाएंगे।' अवैध अप्रवासियों के खिलाफ अप्रवासन विभाग की कार्रवाई के बाद लॉस एंजिलिस में हिंसा भड़क गई थी। प्रदर्शनकारियों ने कई वाहनों को आग लगा दी और पुलिस पर पथराव किया। लॉस एंजिलिस में हिंसा होते हुए कई दिन बीत चुके हैं और अभी भी हालात पूरी तरह से काबू में नहीं हैं। संघीय सरकार ने लॉस एंजिलिस में 4000 नेशनल गार्ड्स तैनात किए हैं और साथ ही 700 मरीन कमांडो भी तैनात किए गए हैं। हालांकि अभी मरीन कमांडो को प्रदर्शन वाले इलाकों में नहीं उतारा गया है।

घरेलू मोर्चे पर सेना की तैनाती कर रहे ट्रंप

लॉस एंजिलिस हिंसा पर अब तक का सबसे उत्तेजक भाषण देते हुए ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों की निंदा की। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन पर भी तीखा हमला बोला। ट्रंप, सेना का इस्तेमाल घरेलू मोर्चे पर कर रहे हैं, चाहे वो अवैध अप्रवासियों को रोकने की बात हो या फिर लॉस एंजिलिस में नेशनल गार्ड्स की तैनाती। कैलिफोर्निया के डेमोक्रेटिक गवर्नर गेविन न्यूसम ने नेशनल गार्ड्स की तैनाती का विरोध किया है और इसे लेकर ट्रंप और न्यूसम आमने-सामने हैं। न्यूसम का कहना है कि नेशनल गार्ड्स की तैनाती करने से ही लॉस एंजिलिस में हिंसा भड़की।

यहूदियों की सामूहिक हत्या की थी योजना, साजिशकर्ता पाकिस्तानी नागरिक अमेरिका प्रत्यर्पित

वॉशिंगटन, एजेंसी। कनाडा में रह रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया है। इस पाकिस्तानी पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में यहूदियों के खिलाफ बड़े सामूहिक हत्याकांड की साजिश रचने का आरोप है। आरोपी हमास के इस्राइल पर 7 अक्तूबर को किए गए आतंकी हमले की पहली वर्षगांठ पर अमेरिका में हमला करने की साजिश रच रहा था।

आईएसआईएस का समर्थन करने का आरोप

आरोपी की पहचान शाहजेब खान उर्फ शाहजेब जादून (20 वर्षीय) के रूप में हुई है। शाहजेब को मंगलवार को कनाडा से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया। शाहजेब पर न्यूयॉर्क के सदर्न डिस्ट्रिक्ट में एक यहूदी सेंटर में हमले की साजिश रचने का आरोप है। अमेरिका के न्याय विभाग ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। शाहजेब के खिलाफ इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक और अल-शाम जैसे आतंकी संगठनों को समर्थन और संसाधन उपलब्ध कराने और आतंकी गतिविधियों में शामिल होने जैसे आरोप लगे हैं।

ज्यादा से ज्यादा यहूदियों को निशाना बनाना चाहता था पाकिस्तानी नागरिक

शाहजेब खान को बुधवार को अदालत में पेश किया जाएगा। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने भी सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में दावा किया कि शाहजेब ने कथित तौर पर अमेरिका की सीमा में घुसकर यहूदी समुदाय पर हमले की साजिश रची। काश पटेल ने कहा कि हमास के इस्राइल पर किए गए 7 अक्तूबर के हमले की पहली वर्षगांठ पर शाहजेब ने भी सामूहिक हत्याकांड की योजना बनाई थी। अमेरिका के अटॉर्नी जे क्लेटन ने बताया कि खान ने अत्याधुनिक हथियारों से हमले की योजना बनाई थी और उसने ज्यादा से ज्यादा यहूदी लोगों को निशाना बनाना चाहता था। आरोपी आईएसआईएस के समर्थन में ऐसा करने वाला था। फिलहाल अमेरिकी जांच एजेंसियां अब आरोपी से पूछताछ करेंगी।

'सेनाओं को गोली का जवाब गोले से देने की छूट', केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कही ये बात

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि पहले जब देश के सैनिकों पर आतंकवादियों की गोली चलती थी तो वे जवाब देने के पहले दिल्ली की ओर देखते थे। लेकिन आज देश की सेनाओं को स्पष्ट निर्देश है कि किसी भी आतंकी हमलों का मुंहतोड़ जवाब दें। आज सैनिक गोली के हमले का जवाब गोलों से देते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण ही देश रक्षा उपकरणों के आयातक से सैन्य उपकरणों के बड़े उत्पादक के तौर पर बनकर उभरा है।

केंद्र सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज देश का युवा नौकरी मांगने वाले से नौकरी देने वाला बन गया है। देश में यूनिकॉर्न कंपनियों की संख्या 118 पहुंच गई है। केंद्र सरकार के सफल आर्थिक नीतियों का ही परिणाम हुआ है कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन गया है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार के सफल नेतृत्व में जल्द ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जायेगा। केंद्र सरकार ने 17 करोड़ से अधिक नौकरियां उपलब्ध कराई हैं, जबकि यूनिकॉर्न कम्पनियों के बल पर युवाओं ने 17 लाख लोगों को नौकरी उपलब्ध कराई है। केवल सड़कों के निर्माण में 45 करोड़ कार्य दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

पूरी दिल्ली सरकार का बजट एक लाख करोड़ रुपये का है, लेकिन केंद्र सरकार की तरफ से केवल दिल्ली की सड़कों के सुधार पर 1.25 लाख करोड़ रुपये खर्च किये जाने की योजना है। जनता से दिल्ली सरकार का बेहतर संपर्क स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दिल्ली की हर विधानसभा में कार्यक्रम करने की योजना है। इससे केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार की योजनाओं को निचले स्तर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले शपथ ग्रहण के बाद ही यह स्पष्ट किया था कि उनकी सरकार गरीबों के लिए काम करेगी। पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार के कार्यों-योजनाओं ने यह साबित कर दिया है कि मोदी सरकार अपने वादों पर खरी उतरी है। गरीबों को आवास उपलब्ध कराने से लेकर गरीबों के इलाज के लिए जेनरिक दवाओं को सहज रूप से उपलब्ध कराकर सरकार ने गरीबों के जीवन को सरल बनाने की कोशिश की गई है।

मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए लगातार नई सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। केंद्र सरकार की योजना है कि दिल्ली में केवल वही वाहन प्रवेश करें जिन्हें दिल्ली आने की आवश्यकता है, लेकिन जिन लोगों को दूसरी जगहों पर जाने के लिए दिल्ली होकर गुजरना पड़ता है, उन्हें बेहतर बायपास उपलब्ध कराकर दिल्ली में आने की बाध्यता से मुक्ति दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार केवल लोगों की भलाई के लिए ही काम नहीं कर रही है, बल्कि उन्हें स्वतंत्र रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सहायता भी दे रही है। युवाओं के लिए अपना उद्यम शुरू करने के लिए सहायता, भारतीय कामगरों के लिए आर्थिक सहायता योजना और महिलाओं को उद्यम करने के लिए बेहद न्यूनतम दर पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। ये सहायता बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग, हर धर्म-सम्प्रदाय के लोगों को दी जा रही है। यह साबित करता है कि सरकार तुष्टिकरण नहीं, संतुष्टिकरण का कार्य कर रही है।

नवी मुंबई के नर्सिंग कॉलेज के छात्र ने की आत्महत्या, कॉलेज प्रिंसिपल के खिलाफ एफआईआर

मुंबई। नवी मुंबई स्थित एक नर्सिंग कॉलेज के छात्र ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि कॉलेज की प्रधानाचार्या ने छात्र को अपमानित किया था और उसके खिलाफ जातिसूचक शब्दों का भी इस्तेमाल किया था। पुलिस ने आरोपी प्रधानाचार्या के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्रधानाचार्या पर छात्र को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा है। पुलिस ने बताया कि छात्र ने बीती 3 जून को आत्महत्या की थी। मृतक की माता की शिकायत पर पुलिस ने कॉलेज की प्रधानाचार्या के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मृतक अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखता था और महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर का निवासी था। वह नवी मुंबई के पनवेल इलाके में एक निजी नर्सिंग कॉलेज से बीएससी नर्सिंग का कोर्स कर रहा था। छात्र ने 3 जून को अपने हॉस्टल के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। एफआईआर के मुताबिक आरोपी प्रधानाचार्या छात्र को प्रताड़ित कर रही थी और उसके खिलाफ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उसे अन्य छात्रों के सामने अपमानित कर रही थी।

दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह पर कांग्रेस का बड़ा एक्शन, पार्टी से किया बाहर, क्या रही वजह?

मुंबई। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह को कांग्रेस ने 6 सालों के लिए पार्टी से निकाल दिया है। लक्ष्मण सिंह पर यह एक्शन उनके हाल ही में राहुल गांधी, सीएम उमर अब्दुल्ला और कारोबारी और सांसद प्रियंका गांधी के पति रोबर्ट वाड्रा पर की गई टिप्पणी को लेकर लिया गया है। लक्ष्मण सिंह के राहुल गांधी, उमर अब्दुल्ला और रोबर्ट वाड्रा को लेकर दिए गए बयानों को पार्टी ने अनुशासनहीनता मानता है। इसी के

चलते अब उन्हें पूरे 6 साल के लिए पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

6 साल के लिए पार्टी से किया बाहर

दरअसल, कांग्रेस पार्टी से लक्ष्मण को 6 साल के लिए निष्कासित करने के लिए कांग्रेस की डिसिप्लिनरी कमिटी के अध्यक्ष सांसद तारिक अनवर ने आला कमान को सिफारिश भेजी थी। लगातार यह बात सामने आ रही थी कि उन्हें पार्टी से बाहर निकाला जा सकता है, हालांकि अब यह एक्शन लिया जा चुका है।

उमर अब्दुल्ला को लेकर क्या बयान दिया था

कश्मीर के पहलगाम में 26 अप्रैल को हुए आतंकी हमले को लेकर लक्ष्मण सिंह ने जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला पर हमला किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला आतंकवादियों से मिले हुए हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि कांग्रेस को तुरंत नेशनल कॉफ्रेंस से समर्थन वापस ले लेना चाहिए।

राहुल गांधी को लेकर की थी टिप्पणी

लक्ष्मण सिंह ने राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा को लेकर भी टिप्पणी करने की भी गुस्ताखी की थी। उन्होंने कहा था, रॉबर्ट वाड्रा जीजा जी, राहुल जी का, उन्होंने क्या कहा, मुसलमानों को सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने देते इसलिए आतंकवादियों ने हमला किया। ये बचपना हम लोग कब तक झेलेंगे। राहुल गांधी सोच समझकर बात करें, वो नेता प्रतिपक्ष हैं। मध्य प्रदेश के राघोगढ़ सीट से कांग्रेस विधायक रह चुके लक्ष्मण सिंह के इस बयान ने कांग्रेस पार्टी के लिए असहज माहौल पैदा कर दिया था।

'हर कोई एक ही भाषा में मुस्कुराता है', अनुपम ने फ्लाइट से शेयर की नागार्जुन-रश्मिका के साथ तस्वीर

बॉलीवुड एक्टर अनुपम खेर ने आज एक खास तस्वीर शेयर की है, जो कि एक फ्लाइट के दौरान की है। इस सफर पर उनके साथ फिल्म कुबेर की स्टार कास्ट नागार्जुन और रश्मिका मंदाना भी नजर आए। इस खास तस्वीर को अनुपम ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया और साथ ही एक खास नोट भी लिखा।

अनुपम खेर का पोस्ट

अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नागार्जुन और रश्मिका मंदाना के साथ एक खास तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, 'हर कोई एक ही भाषा में मुस्कुराता है।' हैदराबाद से मुंबई तक की यह उड़ान कितनी शानदार थी! एक बहुत ही प्रतिभाशाली मिस।@rashmika_mandanna और मेरे सबसे प्यारे दोस्त #नागार्जुन ने अपने प्राकृतिक आकर्षण और खुद के होने से सफर को सुंदर बना दिया- खुश और वास्तविक! अगर मैं तस्वीर में भी अच्छा दिख रहा हूं तो इसका सारा श्रेय सेल्फी लेने वाली #रश्मिका को जाता है। जय हो।"

फिल्म कुबेर

कुबेर एक सामाजिक थ्रिलर फिल्म है, जिसका निर्देशन और सह-लेखन शेखर कम्मुला ने किया है। एमिगोस क्रिएशन्स के सुनील नारंग और पुस्कुर राममोहन राव द्वारा निर्मित इसे तेलुगु, तमिल और हिंदी में एक साथ रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में नागार्जुन, धनुष, रश्मिका मंदाना, जिम सर्भ और दलीप ताहिल ने मुख्य भूमिका निभाई है।

अनुपम खेर का वर्कफ्रंट

अनुपम खेर जल्द ही फिल्म मेट्रो इन दिनों... में नजर आएंगे। मेट्रो... इन दिनों एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे अनुराग बसु ने लिखा और निर्देशित किया है। यह बसु की लाइफ इन ए... मेट्रो (2007) का सीक्वल है। इस फिल्म में अनुपम खेर के अलावा आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, नीना गुप्ता महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'कचरे के ढेर में किया लगातार 6 घंटे काम', रश्मिका ने बताया 'कुबेर' की शूटिंग से जुड़ा अनुभव

धनुष स्टारर फिल्म 'कुबेर' का आज सॉन्ग लॉन्च इवेंट हुआ। इस दौरान फिल्म के सितारे पहली बार मुंबई में एक साथ नजर आए। इस खास मौके पर नागार्जुन अक्किनेनी, धनुष, रश्मिका मंदाना, जिम सरभ और दलीप ताहिल जैसे दिग्गज एक्टर्स ने शिरकत की। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित और सह-लिखित 'कुबेर' एक सोशल थ्रिलर है। इस दौरान अभिनेत्री रश्मिका मंदाना से फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया।

रश्मिका मंदाना ने डायरेक्टर शेखर कम्मुला और को-स्टार धनुष के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि मैं शेखर सर और धनुष के साथ काम करना चाहती थी। यही वजह थी कि मैंने इस फिल्म के लिए हां कह दी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए रश्मिका ने कहा, 'कभी आपको गीतांजलि (फिल्म एनिमल का किरदार) बनना होता है, तो कभी शिवल्ली (फिल्म पुष्पा का किरदार) और कभी यह किरदार। यकीनन मैंने ऐसा रोल पहले कभी नहीं किया। मैं पूरी तरह से डायरेक्टर के हवाले हो गई और यही खूबसूरती है। हर डायरेक्टर का अपना अंदाज होता है, इसीलिए मुझे इतने दिलचस्प और अलग-अलग किरदार निभाने को मिलते हैं। मैं इसके लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।'

रश्मिका ने फिल्म के सबसे चैलेंजिंग मोमेंट के बारे में बताते हुए कहा, 'एक्टर के तौर पर मेरे लिए सबसे यादगार अनुभव था डंपयार्ड (कचरे के ढेर) में 6 घंटे तक शूटिंग करना। यह हमें वापस अपनी जड़ों से जोड़ता है और एक आई-ओपनर भी था। शेखर सर रियल लोकेशन्स पर शूट करना पसंद करते हैं। कैमरा पकड़कर भागते हुए शॉट्स लेते हैं। हम तो मॉनिटर तक नहीं देख पाते थे, लेकिन उनका मास्टरपीस देखने लायक होगा।'

हार्टब्रेक पर एक नया नजरिया दिखाता है ये गाना

रश्मिका ने फिल्म के नए गाने के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर हार्टब्रेक के गानों में हम लड़के के दर्द को देखते हैं, लेकिन यह गाना एक लड़की के नजरिए से है। यह दुख भरा जरूर है, लेकिन इसे एक फन वाले अंदाज में पेश किया गया है।'

रश्मिका ने अपने को-स्टार्स नागार्जुन और धनुष के लिए खास शब्द कहे। नागार्जुन के साथ दूसरी बार काम करने पर उन्होंने कहा, 'मुझे नाग सर के साथ काम करना बेहद पसंद है। यह मेरा उनके साथ दूसरा प्रोजेक्ट है। वो बिना किसी मेहनत के इतना बेहतरीन परफॉर्म करते हैं कि मैं हैरान रह जाती हूं। उन्होंने फिल्म देखी और मेरे किरदार की तारीफ की - यह मेरे लिए बहुत खास पल था।'

बॉलीवुड की इस एक्ट्रेस को हुआ ब्रेस्ट कैंसर, पिछले साल इसी बीमारी से गई पिता की जान

बॉलीवुड एक्ट्रेस और फिल्ममेकर तनिष्ठा चटर्जी इन दिनों एक बेहद मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। अपनी अदाकारी से फिल्म इंडस्ट्री में खास पहचान बनाने वाली तनिष्ठा को स्टेज 4 ब्रेस्ट कैंसर होने की जानकारी मिली है। इस खुलासे के बाद उनके चाहने वाले काफी दुखी हो गए हैं। लेकिन इस दुखद समय में भी तनिष्ठा खुद को टूटने नहीं दे रही हैं।

चार महीने पहले मिली थी जानकारी

हाल ही में एक इंटरव्यू में तनिष्ठा ने अपने संघर्ष और इस बीमारी के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि यह खबर उन्हें चार महीने पहले मिली थी। जब उन्होंने कैंसर के बारे में जाना, तब वह मानसिक रूप से पूरी तरह से बिखर गई थीं। उनका दर्द इस बात से और गहरा हो गया क्योंकि पिछले साल उन्होंने अपने पिता को भी कैंसर की वजह से खोया था।

तनिष्ठा ने भावुक होते हुए कही बड़ी बात

तनिष्ठा ने भावुक होते हुए बताया कि पिता की मौत के बाद वह उस सदमे से बाहर भी नहीं निकल पाईं थीं कि जिंदगी ने एक और बड़ा झटका दे दिया। उन्होंने बताया कि इस दौरान उन्हें अपनी 70 साल की मां और 9 साल की बेटी की जिम्मेदारी भी संभालनी थी, जिसके लिए उन्हें हर हाल में मजबूत दिखना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मैं पहली बार खुद को थका हुआ महसूस कर रही हूं। हमेशा स्ट्रॉन्ग बनी रही, लेकिन अब जैसे सब खत्म हो गया है। इस बीमारी के बारे में जानकर मैंने खुद से सवाल किया कि मेरे साथ ही क्यों?'

बेटी को तनिष्ठा ने भेजा अमेरिका

तनिष्ठा ने इस मुश्किल घड़ी में भी मां की तरह सोचते हुए एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपनी बेटी को अमेरिका भेज दिया है ताकि उसका बचपन इन हालातों का शिकार न हो। उन्होंने बताया कि बेटी उनसे दूर नहीं जाना चाहती थी लेकिन उन्होंने उसे उसकी मौसी के पास भेजा ताकि वो खुद को अकेला महसूस न करे और उसके जीवन पर इस बीमारी का असर न पड़े। तनिष्ठा कहती हैं कि उन्होंने अपनी बेटी को यह समझाने की कोशिश की कि ममता और प्यार सिर्फ मां से नहीं और भी लोगों से मिल सकता है। यह कदम उन्होंने बेटी की मानसिक और भावनात्मक भलाई को ध्यान में रखते हुए उठाया।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com